हिन्दुस्तान एक्सप्रेस समूह

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

मध्यप्रदेश राजस्थान हरियाणा छत्तीसगढ़ महाराष्ट्र से प्रकाशित

डाक पंजीयन क्रं. 173/15-17 | 5 आज होगी माता चन्द्रघण्टा की पूजा | सम्पादकीय जम्मू-कश्मीर ने सुना दिया लोकतंत्र के पक्ष में | सेंसेक्स-निफ्टी लगातार पांचवें दिन भारी गिरावट | 5

वर्ष 11 अंक 133 E-mail: dholpur@hotmail.com फरीदाबाद, शनिवार 05 अक्टूबर 2024 ई-पेपर के लिए लॉगऑन करें -www.hindustanexpress.online मूल्य 2.00 रुपया, पृष्ठ 8

पीएम मोदी आज जारी करेंगे किसान सम्मान निधि की 18वीं किस्त

किसानों के खाते में आएंगे 20 हजार करोड़

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के पैसे किसानों के खाते में शनिवार को आएंगे। प्रत्यक्ष अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से 9.4 करोड़ से अधिक किसानों को 20 हजार करोड़ रुपये से अधिक का लाभ मिलेगा। पीएम मोदी महाराष्ट्र के वाशिम से योजना की 18वीं किस्त जारी करेंगे।योजना की शुरुआत 24 फरवरी 2019 को हुई थी। इसमें तीन बराबर किस्तों में भूमिधारक किसानों को हर साल छह हजार रुपये दिए जाते हैं। 18वीं किस्त के पैसे जारी होते ही इस योजना के तहत कुल 3.45 लाख करोड़ से अधिक राशि पात्र किसानों के खाते में चली जाएगी।

पीएम किसान योजना की सभी किस्त किसानों के बैंक अकाउंट में डायरेक्ट आती है। इसका मतलब है कि इस योजना का लाभ पाने के लिए किसी बिचौलिये से संपर्क करने की जरूरत नहीं। अगर आपने भी योजना का लाभ पाने के लिए रजिस्ट्रेशन किया है, तो आपको लाभार्थियों की लिस्ट में अपना नाम चेक कर लेना चाहिए। इससे कन्फर्म हो जाएगा कि आपको योजना का लाभ मिलेगा या नहीं और समय रहते गड़बड़ी को दूर भी करवा सकेंगे।

देश के नागरिक एक साथ संकल्प लेकर आगे बढ़ें: केन्द्रीय खेल मंत्री डा. मांडविया

- लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षण संस्थान का दसवां दीक्षांत समारोह आयोजित

ग्वालियर। भारत वर्ष की आजादी के एक सौ वर्ष पूरे होने के बाद भारत राष्ट्र को विकसित बनाये जाने का संकल्प लेना चाहिये। इसके लिए देश के नागरिक एक साथ संकल्प लेकर आगे बढें। आज जिन लोगों ने यहां से डिग्री ली है, वह अपने क्षेत्र में जाकर जिम्मेदार नागरिक की तरह संकल्प लेकर कार्य करें। यह बात केन्द्रीय खेल मंत्री डा. मनसुख मांडविया ने शुक्रवार को लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षण संस्थान के दसवें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुये कही। समारोह में 121 छात्र-छात्राओं को उपाधि प्रदान की गई।

शुक्रवार को दीक्षांत समारोह में खेल मंत्री मांडविया ने कहा कि खुशी की बात है, उस संस्थान के दीक्षांत समारोह में उपस्थित हूं, जिसका नाम रानी लक्ष्मीबाई पर है। जिन्होंने आजादी की लड़ाई की शुरुआत की थी और अंग्रेजों से लड़ी थीं। उनसे प्रेरणा के साथ दिशा व दर्शन मिलता है। उन्होंने कहा कि इस संस्थान से पढ़कर जिन छात्रों ने डिग्री ली है, अब वह नया जीवन शुरू करेंगे। छात्र जब पढ़कर यहां से जाते हैं, दूसरी पारी शुरू होती है। खेल मंत्री ने कहा कि वैसे तो पढ़ाई का अंत नहीं है। लोगों को पूरे जीवन भर सीखते रहना चाहिये। यह लगातार चलने वाली प्रक्रिया है। वहीं अब छात्र दूसरी पारी में नयी जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ेंगे। वह जिम्मेदार नागरिक के रूप में दूसरी पारी शुरू कर रहे हैं तो हमेशा सीखने की आदत बनाकर रखें। देश, समाज और परिवार के प्रति जिम्मेदारी पूरी करें।

डा. मांडविया ने कहा कि फिजीकल एजूकेशन का जो शिक्षक है तो वह विश्वस्तरीय एथलीट तैयार करे। छात्रों में देश पहले की भावना होना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारे देश के युवाओं को 2036 में एक से 10 तक और 2047 में एक से पांचवे स्थान पर देश को खेल क्षेत्र में लाने का प्रयास करना चाहिये। डा मांडविया ने कहा कि यही खेल मंत्री होते हुए मेरा लक्ष्य है। इसमें स्वयं सफल होना है और देश को सफल करना है। देश को विकसित बनाना है। इस अवसर पर केन्द्रीय खेल मंत्री मांडविया ने गोल्ड मेडल पाने वाले छात्र बीपीएड की श्रुति मुखोपाध्याय तथा एमपीएड के रीतेश नागर को सम्मानित किया। दीक्षांत समारोह में दीक्षांत भाषण विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डा अविनाश शुक्ला ने दिया।

इसके साथ ही संस्थान में 400 छात्रों की क्षमता वाले छात्रावास और नए डिजिटल स्टूडियो का भी खेल मंत्री मांडविया ने उदघाटन किया। इस हास्टल में स्पोर्टस एक्सीलेंस सेंटर खोला जाएगा। नए स्टूडियो में ओडीएल और रिसेट प्रोग्राम के ई-कंटेंट को तैयार किया जाएगा, जिससे छात्र-छात्राओं को पढ़ाई करने में सहयोग मिलेगा। इस अवसर पर संस्थान के प्रभारी कुलसचिव डा संजीव यादव ने कुलाधिपति डा. मांडविया, उर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, विधायक मोहन सिंह राठौर का स्वागत किया। दीक्षांत परेड में संयुक्त सचिव खेल भारत सरकार शाभित जैन, निदेशक खेल अरूण यादव, कुलपति प्रो. इन्दु बोरा सहित अन्य प्रोफेसर एवं छात्र मौजूद रहे।

लाड़ली बहनों को लघु उद्योगों से जोड़कर आर्थिक लाभ दिलवाएं : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रालय में संपन्न बैठक में महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यों और योजनाओं की आज समीक्षा हुई। महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया भी उपस्थित थीं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्देश दिए कि लाड़ली बहनों को लघु उद्योग और व्यवसाय की गतिविधियों से जोड़ा जाए। हुनरमंद लाड़ली बहनों को चिन्हित कर लघु उद्योगों से जोड़ा जाएगा तो उनके आर्थिक उन्नयन का मार्ग प्रशस्त होगा। हितग्राही बहनों को यह लाभ दिलवाया जाए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में आंगनवाड़ी केंद्रों के निर्माण कार्य में सीएसआर फंड का उपयोग किया जाए। आंगनवाड़ी केंद्रों को व्यवस्थित और सुविधाजनक बनाने के लिए प्राप्त जन सहयोग सराहनीय है। बैठक में जनजातीय बहुल क्षेत्र में आंगनवाड़ी केंद्रों को अधिक प्रभावी बनाने के संबंध में भी चर्चा हुई। प्रदेश में 97 हजार 339 आंगनवाड़ी केंद्रों का संचालन किया जा रहा है। इनसे 81 लाख महिलाएं और बच्चे लाभान्वित हो रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मिशन वात्सल्य सहित विभिन्न कार्यक्रम की सतत् मॉनिटरिंग के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मिशन शक्ति, मिशन वात्सल्य, सक्षम आंगनवाड़ी एवं पोषण, पूरक पोषण आहार कार्यक्रम, पोषण अभियान, प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान (पीएम जन-मन), शाला पूर्व शिक्षा गतिविधि, आंगनवाड़ी सेवाओं के सुचारू संचालन, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, वन स्टॉप सेंटर शक्ति अभिनंदन अभियान के संबंध में भी जानकारी प्राप्त की। बैठक में बताया गया कि महिलाओं के लिए प्रदेश में शक्ति सदन और सखी निवास संचालित हैं।

शाकिब के स्थान को भरना हमारे लिये चुनौती: शांतो

- बांग्लादेशी कप्तान हुये मीडिया से रूबरू

ग्वालियर। शाकिब उल हसन के बांग्लादेश टीम में नहीं होने से हमारे लिये एक नया चैलेंज खड़ा हो गया है। शाकिब का स्थान लेने के लिये अब हम मेहंदी हसन को तैयार कर रहे है। बांग्लादेश 2026 में होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप की तैयारी इसी सीरीज से शुरू करेगा। यह बात भारत और बांग्लादेश के बीच रविवार को होने वाले टी-20 मैच से पहले पत्रकारों से चर्चा करते हुये बांग्लादेश टीम के कप्तान नजमुल हुसैन शांतो ने कहीं।

पत्रकारों से चर्चा करते हुये बांग्लादेश टीम के कप्तान शांतो ने कहा कि भारत और बांग्लादेश के बीच हुई टेस्ट सीरीज में हमारे बल्लेबाजों का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है, लेकिन हमारा यह प्रयास रहेगा कि टी-20 सीरीज में बांग्लादेश अच्छा प्रदर्शन करें और लाल गेंद की जगह अब सफेद गेंद का हम अच्छी तरह उपयोग कर सकें। उन्होंने कहा कि ग्वालियर का स्टेडियम और विकेट नया है और नया विकेट हमारे लिये चैलेंज होगा। उन्होंने कहा कि यदि हम टास जीतेंगे तो 170 से 180 रन से ज्यादा का स्कोर खड़ा करना चाहेंगे, जो सामने वाली टीम के लिये चैलेंज होगा। उन्होंने कहा कि भारत अपने घरेलू मैदान पर बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रहा है, लेकिन टी-20 सीरीज में भारत के ज्यादातर खिलाड़ी है और अनुभवी खिलाड़ी कम है जिसका हमे फायदा मिलेगा। बांग्लादेश टीम के कप्तान शांतो ने कहा कि शाकिब उल हसन के बांग्लादेश टीम में नहीं होने से हमारे लिये एक नया चैलेंज खड़ा हो गया है। शाकिब का स्थान लेने के लिये अब हम मेहंदी हसन को तैयार कर रहे है। भारत बांग्लादेश के बीच ग्वालियर में होने वाले मैच को लेकर ग्वालियर में हो रहे विरोध प्रदर्शन पर उन्होंने कहा कि हमें कोई परेशानी यहां नहीं हो रही है और हमे पूरी तरह से सुरक्षा प्रदान की गई है। पत्रकारवार्ता में बांग्लादेश टीम के मीडिया मैनेजर रवीद इमाम उपस्थित थे।

राहुल गांधी विदेश में जाकर कहते हैं हम आरक्षण समाप्त कर देंगे: केन्द्रीय मंत्री सिंधिया

भिंड में आयोजित भाजपा सदस्यता अभियान में शामिल हुए केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

गोहद,(भिंड)। भाजपा के सदस्यता अभियान ने एक सफल रूप ले लिया है, जहाँ एक तरफ मध्य प्रदेश में मात्र 22 दिनों में 1 करोड़ से अधिक लोगों ने पार्टी को ज्वॉइन किया है वहीं दल के मंत्री अब हर क्षेत्र में जाकर अभियान को एक ऐतिहासिक रूप देने का कार्य कर रहे हैं। इसी दिशा में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया आज भिंड पहुंचे जहाँ उन्होंने गोहद में सदस्यता अभियान का कार्यक्रम किया।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी का 'एक देश, एक निशान, एक विधान' का सपना पूरा हुआ

मंत्री सिंधिया ने बताया कि, 'भारतीय जनता पार्टी श्यामा प्रसाद मुखर्जी के विचारों पर चलने वाली पार्टी है, जिसने जम्मू- कश्मीर से अनुच्छेद 370 को उखाड़कर 'एक देश, एक निशान और एक संविधान' सपना पूरा किया है। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव हो रहे है और लोकतंत्र का पर्व मनाया जा रहा है।

मंच से किया राहुल गाँधी पर हमला

मंत्री सिंधिया ने मंच से विपक्ष के नेता राहुल गाँधी पर भी सीधा वार किया, उन्होने कहा 'कांग्रेस पार्टी के पूर्व अध्यक्ष विदेश जाकर कहते हैं कि भारत में आरक्षण समाप्त करेंगे और यही लोग लोकसभा चुनावों में भाजपा पर आरक्षण को खत्म करने का आरोप लगा रहे थे अब दूध का दूध और पानी का पानी हो गया। अब सच्चाई जनता के सामने आ गई है।'

यह भिंड की मिटटी है, कोई गलत काम करेगा तो यहाँ के शूरवीर उसका बदला लेने के लिए हमेशा तैयार हैं।

चम्बल की बात करते हुए उन्होंने कहा की यहां चंबल नदी है, चंबल नदी जितनी मीठी है उतनी नमकीन भी है। अगर किसी ने भी चंबल की माटी के साथ गलत करने का प्रयास किया तो चंबल के शूरवीर जवान उसका बदला लेने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं।

शेष पृष्ठ 6 पर.....

माँ पराम्बा आध्यात्मिक प्रकाश का ज्ञान, शक्ति, शांति और समृद्धि का स्रोत हैं: स्वामी अवधेशानंद जी

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

हरिद्वार। श्रीमत् परमहंस, परिव्राजकाचार्य, श्रोत्रिय, ब्रह्मनिष्ठ, जूनापीठाधीश्वर, आचार्य महामण्डलेश्वर, अनंत श्री विभूषित स्वामी अवधेशानंद गिरिजी महाराज ने कहा कि- नवरात्रि के द्वितीय दिन माँ ब्रह्मचारिणी की उपासना का विशेष महत्व है। माँ ब्रह्मचारिणी तप, संयम और त्याग की देवी मानी जाती हैं, और उनकी आराधना से साधक को इन गुणों की प्राप्ति होती है। उनके आराधन से साधक के अंतःकरण की शुद्धि होती है और मन की मलिनता, दुर्गुण एवं दोष दूर होते हैं। तप, वैराग्य और संयम का पालन करके साधक अपनी साधना में दृढ़ता और एकनिष्ठता प्राप्त करता है, जिससे उसे अपने लक्ष्य की सिद्धि होती है। माँ ब्रह्मचारिणी की कृपा से भक्त अपने जीवन में कठिन पुरुषार्थ और शुद्ध मनोभाव से अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है। उनकी आराधना के माध्यम से साधक अपने भीतर आत्म-संयम, त्याग और धर्म का विकास कर जीवन में उन्नति की दिशा में अग्रसर हो सकता है ..। नवरात्र में उपासना के चरम की संसिद्धि के लिए अंतःकरण की शुचिता और पुरुषार्थ की आवश्यकता होती है। माँ ब्रह्मचारिणी अपने भक्तों के मन की मलिनता, दुर्गणों व समस्त दोषों को विनष्ट करने वाली हैं। साधक हृदय में तप, त्याग, वैराग्य, सदाचार , संयम की संस्थापना और लक्ष्य प्राप्ति के लिए एकनिष्ठ स्थिरता माँ ब्रह्मचारिणी की आराधना की फलश्रुति है।नवरात्र में उपासना के चरम की संसिद्धि के लिए अंतःकरण में पात्रता विकास की भूमिका माँ ब्रह्मचारिणी की कृपा से प्राप्त होती है। माँ ब्रह्मचारिणी अपने भक्तों के मन की मलिनता, दुर्गणों व समस्त दोषों का निवारण कर यथार्थ बोध प्रदान करती हैं। ब्रह्म का अर्थ है - तपस्या और चारिणी यानी आचरण करने वाली। इस प्रकार ब्रह्मचारिणी का अर्थ हुआ तप का आचरण करने वाली। इनके दाहिने हाथ में जप की माला एवं बाएँ हाथ में कमण्डल रहता है। इस दिन साधक कुंडलिनी शक्ति को जागृत करने के लिए भी साधना करते हैं। जिससे उनका जीवन सफल हो सके और अपने सामने आने वाली किसी भी प्रकार की बाधा का सामना सहजता से कर सकें। मानवी मन विषयगत मरीचिका सुख और बाह्य जगत के अपूर्ण-अतृप्तिकारक पदार्थों के मिथ्या सुखाभास में उलझा हुआ है। नवरात्रि-काल में ज्ञानार्जन और स्वयं के शाश्वत-स्वरूप बोध अभ्यास द्वारा चित्त की एकाग्रता अर्जित कर अखण्ड-आनन्द एवं आत्म-दिव्यता को अनुभूत किया जा सकता है।

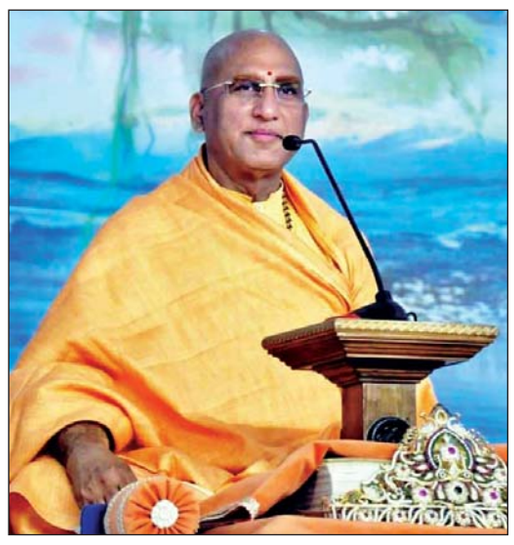

स्वामी श्री अवधेशानंद जी ने कहा कि - माँ पराम्बा आध्यात्मिक प्रकाश का ज्ञान, शक्ति, शान्ति और समृद्धि का स्रोत हैं। इच्छा-ज्ञान और क्रियाशक्ति के रूप में जो परम चेतना सचराचर जगत में व्याप्त है, ऐसी समर्थ कल्याणी जगत-जननी पराम्बा के आराधन का पवित्र पर्व नवरात्रि शुभ हो ! नवरात्रि का पुनीत पर्व प्रतीक है - नारी में छिपी उस दैवीय शक्ति के सम्मान का, जिसे माँ के रूप में पूजा जाता है। यह वह पर्व है जिसने हमारे देश में महिलाओं की समाज और परिवार में स्थिति और सम्मान को सम्पूर्ण विश्व में प्रतिष्ठित किया है, इसलिए तो नारी को नारायणी का रूप माना गया है। दो ऋतुओं के संधिकाल का यह नौ दिनों का दिव्य पर्व स्वयं में अत्यन्त विलक्षण और अद्भुत है। इसकी प्रत्येक रात्रि हमारी स्वयं की सुप्त आंतरिक क्षमताओं और ऊर्जाओं के भिन्न-भिन्न पहलुओं को उद्घाटित करती है, जिसे मान्यताएँ नौ प्रकार की शक्तियों या देवियों की संज्ञा देती है। शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चंद्रघंटा, कूष्माण्डा, स्कंदमाता, कात्यायनी, कालरात्रि, महागौरी और सिद्धिदात्री। ये वास्तव में किसी अन्य लोक में रहने वाली देवी से पहले हमारी अपनी ही ऊर्जा के नौ विलक्षण स्वरूप हैं।

स्वामी श्री अवधेशानंद जी ने कहा कि - माँ शैलपुत्री अपने अस्त्र त्रिशूल की भाँति हमारे त्रिलक्ष्य, धर्म, अर्थ और मोक्ष के साथ मनुष्य के मूलाधार चक्र पर सक्रिय बल है। वहीं ब्रह्मचारिणी माँ अपनी कमंडल यानि पूर्व कर्म या प्रारब्ध और माला अर्थात् नवीन कर्म के साथ कुंडलिनी शक्ति का प्रतिनिधित्व करते हुए स्वाधिष्ठान चक्र की शक्ति हैं। हमारे मणिपुर चक्र अर्थात् नाभि चक्र की ऊर्जा माँ चंद्रघंटा जीवन के ढेरों सुगन्धों और ब्रह्माण्डीय ध्वनियों के संग अपने हस्त के बंद कमल के रूप में कीचड़ में भी पवित्रता व स्निग्धता के साथ अनेक लक्ष्य के साथ भी एकजुटता की द्योतक हैं। वहीं अनाहत चक्र यानि हृदय चक्र पर गतिशील ऊर्जा, माँ कूष्माण्डा के हाथ के शस्त्र, कमंडल, पुष्प, अमृत कलश, चक्र व गदा के साथ धनुष-बाण अनेक माध्यमों से समस्त सिद्धियों और निधियों को समेट कर एक लक्ष्य की ओर अग्रसर होने का संकेत है। विशुद्ध क्र यानि कंठ चक्र पर क्रियाशील शक्ति स्कन्दमाता अपने हस्त के खिलते पंकज के रूप में एक केन्द्र पर चेतना के विस्तार को परिलक्षित करती है। आज्ञा चक्र की ऊर्जा, जो माँ कात्यायनी कहलाती हैं, अपने अस्त्र तलवार के धार की तरह तीसरे तिल से आगे बढ़ कर जीवात्मा को अपने तत्व शब्द को थाम कर अपनी परम चेतना सदगुरु यानि प्रभु में समाहित होने की प्रेरणा देती है। अध्यात्म में नवरात्रि का पर्व अपने उसी नौ गुनी क्षमता के पुनर्परिचय का काल है। हम सब एक अदृश्य जगमगाती ब्रह्मांडीय शक्ति के ओज में भ्रमण कर रहे हैं, जिसे देवी कहा गया है। देवी या देवी माँ इस सम्पूर्ण सृष्टि का गर्भ स्थान है। वह गतिशीलता, ओज, सुन्दरता, धैर्य, शान्ति और पोषण की बीज हैं। वह जीवन ऊर्जा शक्ति हैं। एक माँ को अपने बच्चे के लिये पूरा प्रेम होता है। देवी माँ को भी अपने बच्चों के लिये हर स्थिति में असीम प्रेम है, जिसमें इस सम्पूर्ण जगत के सभी जीव सम्मिलित हैं। नाम रूप वाले बाहरी स्थूल जगत से ऊर्जा के सूक्ष्म जगत की ओर की यात्रा ही नवरात्रि है, जिसका आह्वान विभिन्न यज्ञों द्वारा किया जाता है और जो कि हमें अन्तःकरण की गहराईयों में ले जाकर आत्म-साक्षात्कार कराती है। अतः जब हम बाहरी सुन्दरता से भीतर की ओर जाते हैं और दिव्य गुणों में भीगते हैं तो हमारी चेतना भी खिल जाती है। हम अपनी पूर्ण खिली हुई चेतना को भी अर्पित कर देते हैं। इस प्रकार, एक खिली हुई चेतना के द्वारा की गयी उनकी पूजा ही सर्वश्रेष्ठ चढ़ावा है।

बिहार : मुजफ्फरपुर बाढ़ पीड़ितों और पुलिस के बीच चले लाठी-डंडे

मुजफ्फरपुर में राहत सामग्री नहीं मिली तो एनएच-77 को किया जाम, रास्ता खुलवाने गई थी टीम

आर.एन.एस.

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में शुक्रवार को बाढ़ पीड़ितों और पुलिस के बीच लाठी-डंडे चले हैं। बताया जा रहा है कि यहां बाढ़ की वजह से लोगों के घर डूब गए हैं। ये लोग सीतामढ़ी-मुजफ्फरपुर एनएच -77 पर राहत सामाग्री और मुआवजे की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे। लोगों ने नेशनल हाई-वे को जाम कर दिया था। पुलिस इन्हें समझाने पहुंची तो लोग हटने को तैयार नहीं हुए। बताया जा रहा है कि भीड़ ने पुलिस पर पथराव कर दिया। इसके बाद पुलिस ने भी हल्का बल प्रयोग किया। घटना औराई प्रखंड के गोपालपुर के पास है।

मुजफ्फरपुर में बाढ़ की वजह से कई लोगों के घर का पूरा सामान बह गया है। लोग मजबूर होकर ऊंचे स्थान और छत पर शरण लेने को मजबूर हैं। फूस के बने घर बह गए और पक्के मकान भी गिरने की कगार पर हैं। इधर, फूड पैकेजिंग भी पीड़ितों को नहीं मिल रही है। इसके कारण अब पीड़ित उग्र हो गए हैं। प्रशासन की तरफ से कोई मदद नहीं मिलने की वजह से गुस्साए लोगों ने बांस बल्ली लगाकर बीच सड़क पर टायर जलाया। लोगों ने मुजफ्फरपुर-सीतामढ़ी रोड को जाम कर दिया। नाराज बाढ़ पीड़ितों ने इस दौरान पुलिस को खदेड़ा और पथराव किया। इसके साथ ही लाठी-डंडे से पुलिस पर हमला भी किया। इस घटना के बाद पुलिस कर्मी वहां से जान बचाकर भागे। मौके पर भारी संख्या में पुलिस बल को भेजा जा रहा है। नेपाल के तराई क्षेत्र में लगातार हुई बारिश की वजह से मुजफ्फरपुर की नदियों का जलस्तर काफी बढ़ गया। गंडक, बूढ़ी गंडक और बागमती खतरे के निशान से ऊपर बहने लगी। निचले इलाकों में बाढ़ का पानी घुसने लगा, जिससे औराई और कटरा प्रखंड के 25 से अधिक गांव में बाढ़ का पानी घुस गया है। 3 लाख की आबादी बाढ़ से प्रभावित हैं। लोग मजबूर होकर छतों पर शरण लिए हुए हैं।

दंतेवाड़ा-नारायणपुर बॉर्डर पर मुठभेड़, 7 नक्सली ढेर

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा-नारायणपुर जिले के बॉर्डर पर पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ चल रही है। फोर्स ने 7 नक्सलियों को मारा गया है। सातों नक्सलियों के शव बरामद कर लिए गए हैं।,च-47 , एसएलआर समेत अन्य हथियार बरामद किए हैं।

अबूझमाड़ में 2 घंटे से रुक-रुककर फायरिंग हो रही थी। इसके बाद जब फायरिंग रुकी तो सर्च ऑपरेशन चलाया गया। इस दौरान शव और ऑटोमेटिक वेपन्स बरामद हुए। एक दिन पहले नारायणपुर और दंतेवाड़ा जिले से जवानों को नक्सल ऑपरेशन पर भेजा गया था।

कोलकाता रेप-मर्डर, जूनियर डॉक्टरों ने दोबारा हड़ताल खत्म की

कोलकाता। कोलकाता रेप मर्डर केस को लेकर दूसरी बार हड़ताल पर बैठे जूनियर डॉक्टरों ने काम पर लौटने का फैसला किया है। गुरुवार देर रात से शुक्रवार सुबह तक चली मीटिंग में जूनियर डॉक्टरों की मीटिंग में यह फैसला लिया गया है।

स्वामित्वाधिकारी प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे के लिए श्रीसिद्धीविनायक प्रिन्टर्स, 26 बी, प्रेस कॉम्पलेक्स जोन -1 एम.पी. नगर भोपाल मध्यप्रदेश से मुद्रित एवं 5-अपूर्वा एन्क्लेव, अयोध्या बाईपास, भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। आर.एन.आई नं. MPHIN/2007/18768
संपादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे 94251-26060, संयुक्त संपादक- नीरज शिवहरे 9827359400, सहायक संपादक- संजय माकवे 9425375149, भोपाल कार्यालय- 5 अपूर्वा एन्क्लेव, अयोध्या बाईपास, भोपाल सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय होगा।

नेहरू युवा केन्द्र ने हनुमान मंदिर पर चलाया स्वच्छता अभियान

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

ग्वालियर। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा संचालित नेहरू युवा केंद्र संघठन ग्वालियर द्वारा गांधी जयंती के उपलक्ष्य में स्वयंसेवकों द्वारा शहर के प्रसिद्ध और प्राचीन स्थान मोम के हनुमान मंदिर पर स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें स्वयंसेवकों द्वारा मंदिर परिसर में स्वच्छता अभियान व गंदगी न फैलाने का संदेश दिया व स्वयंसेवकों ने पॉलिथीन, प्लास्टिक, कांच की बॉटल और अन्य प्रकार की गंदगी साफ कर कई पॉली बैग में एकत्रित किया। अंत में जाकर सारे कूड़े को नगर निगम की गाड़ी में डाल दिया। स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के अंतर्गत सभी स्वयंसेवकों ने शपथ ली की वे सभी भविष्य में कही भी कूड़ा नही फेकेंगे एवं अपने, गांव, और मंदिर परिसर के साथ अपने देश को स्वच्छ बनाए रखने में पूर्ण सहयोग करेंगे। इसी के साथ सभी ने मंदिर परिसर पर लोगो को जागरूक करते हुए एक छोटी सी रैली निकाली, जिसमें बताया कि प्रकृति के दुश्मन तीन पाउच,पन्नी, पॉलिथीन।

इस कार्यक्रम में आकाश सूर्यवंशी, प्रियांश परिहार, आशुतोष पालीवाल, दिव्या माहौर, रितिका, जतिन, मनजीत, दीपक, करण, अभय, विकास, पंकज आदि उपस्थित रहे।

देवी की तपस्या से आपेक्षित फल मिलता है: रामअवतार शास्त्री

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/जौरा। माँ दुर्गा की नौ शक्तियों का दूसरा स्वरूप देवी ब्रह्मचारिणी है यह ब्रह्मा का अर्थ तपस्या है उनकी सेवा पूजा से भक्तों को अच्छे फल की प्राप्ति होती है। यह बात मिश्र वाटिका जौरा में चल रही श्रीमद् देवी भागवत कथा के दूसरे दिन आचार्य पं. रामअवतार शास्त्री ने कही कथा सुनाते हुए पं. रामअवतार शास्त्री ने कहा कि दुखों की अगर चोट खाई ना होती तो माँ भगवती की याद ना आई होती। इस संसार में देवी माँ सब कुछ है कथा सुनाते हुए आचार्य ने कहा कि इन विशेष नौ दिनों में विधि विधान से जो देवी माँ की पूजा करता है। उसके सभी मनोरथ पूरे होते हैं। दुखों से छुटकारा मिलता है। इनकी उपासना से तप, त्याग, वैराग्य, सदाचार और संयम की वृद्धि होती है। शारदीय नवरात्र के 9 दिन विशेष रहते हैं। दूसरा दिन देवी ब्रह्मचारिणी का रहता है। ब्रह्मचारिणी का अर्थ तप की

चरणी यानी टपका आचरण करने वाली देवी का या रूप पूर्ण ज्योतिर्मय और अत्यंत भाव होता है। इस देवी के दाएं हाथ में जप की माला बाएं हाथ में कमंडल धारण की होती हैं। पूर्व जन्म में ब्रह्मचारिणी देवी ने हिमालय की घर पुत्री के रूप में जन्म लिया था और नारद जी के उपदेश से भगवान शंकर को पति के रूप में पानी के लिए घोर तपस्या की थी। इस कठिन तपस्या के कारण उन्हें तपश्चारिणी अर्थात ब्रह्मचारिणी नाम से अभीत किया गया। 1000 वर्ष तक इन्होंने केवल फल खाकर बीते और 100 वर्षों तक केवल जमीन पर रहकर शा क निर्वाह किया कुछ दिनों तक कठिन उपवास रखें और खुले आकाश में नीचे वर्षा और धूप की घोर कष्ट भी सह 3000 वर्ष तक टूटे बेलपत्र खाए और भगवान शंकर की आराधना करती रहीं। इस देवी भागवत कथा का आयोजन टीकाराम, मुन्नालाल दुबे, दिनेश कुमार, विनोद कुमार दुबे द्वारा कराया जा रहा है।

उमड़ रही है मातारानी के दरबार में भीड़

शारदीय नवरात्रि महोत्सव के दूसरे दिन मातारानी के दरबार में भक्तों की भीड़ देखी गई। नगर में लगभग दर्जन बरसे अधिक स्थानों पर बेहद आकर्षक ढंग से मातारानी के दरबार लगाए गए हैं। इन दरबारों में सुबह-शाम आरती भक्तगण करते हैं। विशेष कर श्याम के समय समय से भी राजनेता भी आरतियां करने दरबारों में पधार रहे हैं। श्याम के समय 7:00 बजे से 10:00 बजे तक सड़कों पर बेहद चहल पहल भी देखी जा रही है।

संस्था प्रयास के पदाधिकारियों ने कुलपति श्रीमती सहस्त्रबुद्धे से की मुलाकात

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

ग्वालियर। ग्वालियर की शिक्षा, साहित्य कला व संगीत को समर्पित संस्था 'प्रयास' के पदाधिकारी डॉ. शैलेन्द्र मोहिते, डॉ. नीरज कुमार झा (प्राध्यापक, एमएलबी महाविद्यालय), बृजेश सिंह ने आज राजा मान सिंह कला, संगीत विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. श्रीमती स्मिता सहस्त्रबुद्धे से मुलाकात कर दोनों संस्थाओं के मध्य कला व संगीत से संबंधित पारस्परिक सामंजस्य के तहत ग्वालियर व मध्यप्रदेश में कला एवं संगीत के उन्नयन हेतु 'प्रयास' संस्था की प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुए चर्चा की गई, जिसके अनुसार दोनों ही संस्थाओं द्वारा कला व संगीत के विकास हेतु सहकार्य करने का अनुबंध किया गया। 'प्रयास' संस्था के सचिव डॉ. शैलेन्द्र मोहिते व डॉ. नीरज कुमार झा ने कुलपति को एम.ओ.यू. की कॉपी सौंपी। इस अवसर पर प्रो.स्मिता सहस्त्रबुद्धे का बुके, शॉल व श्रीफल से सम्मान किया।

गलत खानपान और मानसिक तनाव से पनप रहे हैं रोग: डॉ. नारायण हरि शर्मा

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/अम्बाह। अम्बाह पोरसा रोड पर शुक्रवार को मेदांता हॉस्पीटल गुरूग्राम एवं सरोजदेवी मेमोरियल अस्पताल के संयुक्त तत्वाधान में निः शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। उक्त शिविर में बीपी, शुगर, ईसीजी की निःशुल्क जांच कर बीएमडी, पीएफटी, हड्डी रोग विशेषज्ञ, स्त्री रोग विशेषज्ञ एवं अन्य बीमारी का इलाज डॉक्टरों द्वारा किया गया इसके अलावा हृदय रोग एवं श्वास रोग पर विशेष परामर्श दिया गया। यह शिविर प्रातः 10 बजे से दोपहर 03 बजे तक चला, जिसमें डॉ. एन.एच. शर्मा, डॉ. शोभित गुप्ता हड्डी रोग विशेषज्ञ, डॉ. राधा गुप्ता, एवं डॉ. संजय सिंह तोमर ने भी अपनी सेवाएं दीं। यह आयोजन वरिष्ठ समाजसेवी सुरेश गुप्ता एवं रवि गुप्ता द्वारा किया गया। इस शिविर में विभिन्न विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा मुफ्त परामर्श सेवाएं प्रदान की गईं, इलाके के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ.

नारायण हरि शर्मा ने कैंप की सराहना की। उन्होंने कहा कि सभी को सेहतमंद रहने के लिए समय-समय जांच कराते रहना चाहिए। उन्होंने कहा इस आयोजन का मकसद आमलोगों को सेहत के प्रति जागरूक करने के साथ साथ सही सलाह देना है। डॉ. नारायण हरी शर्मा ने बताया कि आजकल अधिकतर रोग जीवन शैली संबंधित या हमारे गलत खानपान और मानसिक तनाव के कारण हो जाते हैं। हम सभी अपनी दैनिक जीवन शैली में थोड़ा सा बदलाव करके अच्छा स्वास्थ्य प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी चीज का अधिक सेवन हमारे लिए हानिकारक है चाहे वो पानी हो, खाना हो या एक्सरसाइज ही क्यों ना हो। उन्होंने कहा

आज के युवाओं में योग के स्थान पर जिम अधिक प्रचलन में है, जिम में जाने वाले अधिकांश लोग हाई प्रोटीन डाइट के नाम पर आर्टिफिशल प्रोटीन का सेवन करते हैं या फिर अधिक मात्रा में सेवन करते हैं। इन दोनों ही कारणों से पेट की कई समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। जोकि कुछ समय पश्चात अन्य रूप में सामने आ सकते हैं। इसलिए यह अति आवश्यक है कि हम योग को अपनाएं व प्रोटीन को अपने भोजन में शामिल करने के लिए पनीर, दूध, दालें और अंकुरित भोजन (मूंग, मोठ, चना, सोयाबीन) का सेवन कर सकते हैं।

डॉ. शर्मा ने कहा कि अच्छा खाने के लिए बिना मौसम के महंगे फल और सब्जियां ना खाकर मौसम के अनुसार उपलब्ध फल व सब्जियों का सेवन अवश्य और समुचित मात्रा में करना चाहिए। जैसे आजकल उपलब्ध फल सेब, केला, अनार, पपीता, मौसम्मी का सेवन कर सकते हैं।

श्रीमती रुचि सिंघल बनीं अग्रवाल महिला मंडल की अध्यक्ष

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/जौरा। सामाजिक गतिविधियों को सक्रिय बनाए रखने के उद्देश्य से श्रीमती रुचि सिंघल को अग्रवाल महिला मंडल का अध्यक्ष बनाया गया है। नगर की सक्रिय समाजसेवी संस्था अग्रवाल महिला मंडल की संरक्षक श्रीमती उषा गुप्ता से मिली जानकारी के अनुसार अग्रवाल महिला मंडल के अध्यक्ष पद पर हाल ही में श्रीमती रुचि सिंघल को सर्वसम्मति से अध्यक्ष बनाया गया है। यह निर्णय अग्रसेन जयंती के उपलक्ष्य में अग्रवाल धर्मशाला में उपस्थित समाज की महिला की उपस्थिति में सभी की सहमति से लिया गया जिसमें विशेष कर श्रीमती उमा सिंघल पूर्व अध्यक्ष की भी सक्रियता रही। श्रीमती रुचि सिंघल के अध्यक्ष बनने पर श्रीमती शारदा मित्तल, श्रीमती उषा सिंघल, श्रीमती उमा गुप्ता, श्रीमती उर्मिला गुप्ता, श्रीमती सुमन बंसल, श्रीमती मंजू गोयल सहित अन्य समाज की महिलाओं ने रुचि को बधाई भी दी है। अध्यक्ष बनने पर श्रीमती रुचि का कहना है कि सर्वसम्मति से सर्व समाज की सभी महिलाओं द्वारा अध्यक्ष बनाकर मुझ पर जो विश्वास किया है उसे में संगठन को पूरी मेहनत के साथ लगातार सक्रिय बनाए रखेंगी। सभी का सहयोग एवं आशीर्वाद मुझे मिलता रहेगा इसका मुझे पूरा विश्वास है।

नत्थीलाल जैन 13 को लेंगे जैनेश्वरी दीक्षा, मंदिर में हुई गोद भराई की रस्म

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/अम्बाह। जैन संत बनने जा रहेआई नत्थीलाल जैन की गोद भराई का कार्यक्रम बड़ा जैन मंदिर में आयोजित हुआ। अम्बाह रोड मुरैना निवासी 74 वर्षीय नत्थीलाल जैन आगामी 13 अक्टूबर को फिरोजाबाद में चातुर्मासरत अभीक्ष्ण ज्ञानोपयोगी आचार्य वसुनंदी महाराज के कर कमलों द्वारा जैनेश्वरी दीक्षा लेने जा रहे हैं। जैन सिद्धांतों के अनुसार जैनेश्वरी दीक्षा से पूर्व किए जाने वाले संस्कारों के तहत बिनोली शोभायात्रा व गोद भराई का कार्यक्रम किया जाता है। बड़ा जैन मंदिर कमेटी के पूर्व मंत्री पदमचंद जैन ने बताया कि नत्थीलाल जैन की गोद भराई की रस्म बड़ा जैन मंदिर में की गई। समाज के लोगों ने पंच मेवा से श्री जैन की गोद भराई की रस्म अदा की। ज्ञात हो कि बीते साल नत्थीलाल जैन की पत्नी ने भी संत बनने के लिए दीक्षा ली थी। नत्थीलाल जैन भी अब इसी रास्ते पर आगे बढ़ रहे हैं। वही गोद भराई की रस्म के दौरान उपस्थित जनसमूह ने णमोकार मंत्र के साथ मंगल गीतों का गुणगान किया। पदम चंद जैन ने बताया कि नत्थी लाल जैन संयम का मार्ग अपनाकर अनेक वर्षों से त्याग, तप की साधना मे अग्रसर है।

स्वच्छता के लिए रासेयो ने की सराहनीय पहल

झाड़ियों और गंदे पानी से घिरी गांधी जी की मूर्ति की स्वयं सेवकों ने की साफ- सफाई

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/अम्बाह। स्वच्छता ही सेवा है पखवाड़े के अंतर्गत महात्मा लोचनदास उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अम्बाह के रासेयो स्वयं सेवकों ने सेवा की सराहनीय पहल की है। ग्राम पंचायत चांद का पुरा के मजरा संजय नगर में गांधी जी की मूर्ति की स्वयं सेवकों ने अपने हाथों से साफ-सफाई की और शुद्ध जल से स्नान कराकर पुष्पहार अर्पित किए। यहां यह उल्लेखनीय है कि यह मूर्ति अपने स्थापना काल अर्थात लगभग 35 वर्षों से उपेक्षित है। मूर्ति की वाउण्ड्री न होने के कारण मूर्ति के चारो ओर हमेशा घरों का गंदा पानी भरा रहता है। जिससे मूर्ति के आसपास

बड़ी बड़ी घास और झाड़ियां उग आती हैं। गंदगी और झाड़ियों के कारण मूर्ति तक पहुंच संभव न होने पर भी रासेयो स्वयं सेवकों ने सेवा के इस कठिन कार्य को कार्यक्रम अधिकारी विजय शर्मा के मार्गदर्शन और पूर्व उत्कृष्ट स्वयं सेवक नितिन सिंह तोमर, विपिन सिंह, देवेश शर्मा और चन्द्र भान शर्मा के नेतृत्व में बखूबी अंजाम दिया। मूर्ति के चारो ओर की झाड़ियों को साफ किया, मूर्ति को शुद्ध जल से स्नान कराया। सभी अतिथियों और स्वयं सेवकों ने पुष्पहार अर्पित कर गांधी जी को नमन किया। कार्यक्रम में समाज सेवी राजकुमार तोमर,जय हिन्द कालेज के कार्यक्रम अधिकारी हरिओम शर्मा, नेहरू युवा केन्द्र के कार्यक्रम पर्यवेक्षक दिलीप सुमन,स्थानीय शिक्षक और ग्रामीण जन मौजूद रहे।

अम्बाह नगर पालिका की अध्यक्ष अजंली जैन जैसवाल जैन युवाजन के आयोजन में प्रशस्ति पत्र प्रदान कर की गई सम्मानित

कहा- जैन धर्म ही एक ऐसा धर्म है, जहां पर गलतियों को स्वीकार करने और क्षमा मांगने की महान परंपरा है

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/अम्बाह। दिल्ली एनसीआर के प्रतिष्ठित संगठन जैसवाल जैन युवाजन द्वारा क्षमावाणी का कार्यक्रम ÷अध्यात्म साधना केंद्र- छतरपुर में अत्यंत

धूमधाम से आयोजित किया गया।कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि राज्यसभा सांसद नवीन जैन पीएनसी एवं अम्बाह की नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती अंजलि जिनेश जैन को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। गणेशी लाल जी जैन महक ग्रुप को ÷समाज रत्न÷ की उपाधि से विभूषित कर उनका अभिनंदन किया गया। मोटिवेशनल स्पीकर हर्षवर्धन जैन ने प्रत्येक परिस्थिति में जीवन में सकारात्मकता को अपनाने पर जोर दिया आयोजन में जैन समाज के बुजुर्ग सुमतिचंद्र जैन अंबाह को भी आयोजकों द्वारा सम्मानित किया गया। इस मौके पर अंबाह नगर पालिका की अध्यक्ष श्रीमती अजंली जिनेश जैन ने कहा कि जैन समाज में तपस्या की परंपरा है ऐसी तपस्या से देश में खुशहाली आएगी और सुख-समृद्ध बढ़ेगी अजंली जैन ने कहा कि जैन समाज के संत-मुनि-आचार्य बिना वाहन बिना चरण पादुका के हजारों मील पैदल यात्रा करते हैं। खान-पान का सयंम रखकर मानव समाज के कल्याण के लिए प्रार्थना करते हैं। उन्होंने कहा कि जैन धर्म ही एक ऐसा धर्म है, जहां पर गलतियों को स्वीकार करने और क्षमा मांगने की महान परंपरा है।महामंत्री अजय जैन बॉबी ने कहा कि जैन धर्म अहिंसा और करूणा में विश्वास रखता है। उपभोक्तावाद को एक प्रकार की हिंसा मानता है। हमारे संत-मुनियों की तपस्या विश्व और राष्ट्र के कल्याण के लिए होती है। जैन धर्म के अचार-विचारों में एवरेस्ट की उंचाई और अंटलांटिक की गहराई भी है। आयोजन में

जैसवाल जैन युवाजन के अध्यक्ष नवीन जैन 'पिंकी', महामंत्री अजय जैन 'बॉबी', कोषाध्यक्ष सीए अजय जैन, सुरेशचंद्र जैन (साउथ एक्स), सुरेशचंद्र जैन (द्वारका), रूपेश जैन (उत्तम नगर), दीपक जैन (संगम विहार), सीए राजीव जैन (मयूर विहार) मौजूद रहे।

सीएम राइज़ स्कूल गोठ में चलाया स्वच्छता अभियान

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। सीएम राइज़ स्कूल गोठ में महात्मा गांधी के जन्मदिन के अवसर पर स्वच्छता पखवाड़े के अन्तर्गत विद्यालय में प्राचार्य आर.एस. माहौर, वरिष्ठ शिक्षक संजय सिंह तोमर, अशोक शर्मा, मनोज शर्मा, अनिल बाबू, एव्हीएन विद्यालय परिवार के अन्य सदस्यों द्वारा विद्यालय कैम्पस में सफाई अभियान चलाया गया। ओजस क्लब प्रभारी हरिओम तिवारी द्वारा बताया गया कि जहाँ स्वच्छता रहती है वहाँ ईश्वर का वास रहता है। इसलिए हमें स्वच्छता पर अधिक ध्यान देने की ज़रूरत है।

The International Association of Lions Clubs
लायंस क्लब मुरैना मयूरवन
Distt. 3233 E-1 Club No. 115633
मान्यवर,
बारहवां शपथ ग्रहण
एवं
संस्थापना समारोह
में आप सादर आमंत्रित हैं।
मुख्य अतिथि माननीय शिवमंगल सिंह तोमर जी (सांसद मुरैना-श्योपुर)
विशिष्ट अतिथि माननीय लॉयन सुधीर वाजपेयी जी (उप प्रांतपाल)
दिनांक : 05 अक्टूबर 2024, शनिवार
सायं 7:00 बजे से
स्थान : मिलन पैलेस
विनीत
आग्रह : कार्यक्रम उपरान्त स्वरुचि भोज में आप सादर आमंत्रित हैं।

धर्म व कर्म वेदों की रीति-नीति से करना चाहिए : संस्कार शास्त्री

-गणेशपुरा की गोस्वामी रोड पर भागवत कथा का आयोजन

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। 20वें शारदीय नवरात्र महोत्सव के दौरान शहर के गणेशपुरा इलाके की गोस्वामी रोड पर श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें कथाचार्य पं. संस्कार शास्त्री वृंदावनधाम द्वारा श्रद्धालुओं को कथा का रसपान कराया जा रहा है। कथा के दूसरे दिन शुक्रवार को कथाचार्य पं. संस्कार शास्त्री ने श्रद्धालुओं को धुंधकारी की कथा का रसपान कराया। कथा का वर्णन करते हुए पं. संस्कार शास्त्री ने कहा कि धुंधकारी, आत्मदेव और धुंधली के पुत्र थे, धुंधकारी दुराचारी, व्यभिचारी और पापी था। उन्होंने अपने पिता की संपत्ति नष्ट कर दी थी। एक दिन उन्होंने अपनी मां को मारपीट कर पूछा कि धन कहां छिपा रखा है, तब

उनकी मां धुंधली तंग आकर कुएं में कूद गईं। जिसके कुछ समय बाद धुंधकारी की भी मौत हो गई और वह प्रेत योनि में चले गए। जिसके बाद धुंधकारी की मुक्ति के लिए उसके भाई गोकर्ण ने सूर्य देव की कठोर तपस्या की। सूर्य देव ने दर्शन देकर बताया कि धुंधकारी की मुक्ति के लिए श्रीमद् भागवत कथा से ही मुक्ति मिलेगी। तब गोकर्ण ने श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया। धुंधकारी को कथा सुनाई, धुंधकारी को कथा सुनकर प्रेत योनि से मुक्ति मिली और वह श्रीहरि के धाम चले गए। कथा का सार बताते हुए पं. संस्कार शास्त्री ने कहा कि मनुष्य को कर्म और धर्म संयमित होकर वेद रीति एवं नीति के अनुसार ही करना चाहिए। शुक्रवार को कथा का श्रवण करने के लिए बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष श्रद्धालु पहुंचें हुए थे। कथा में परीक्षत श्रीमती मीना अशोक डण्डौतिया है।

THE INTERNATIONAL ASSOCIATION OF LIONS CLUBS
LIONS CLUB MORENA, SAMANVAY
Club No. 135014 DIST. 3233 E-1
कैंसर जाँच आपके द्वार
निःशुल्क जाँच एवं जागरूकता शिविर
दिनांक 05/10/24 शनिवार सुबह 9 बजे से 1 बजे तक
स्थल :- यूनिट एस.ए.एफ. हॉस्पीटल
सरकारी हॉस्पीटल के सामने, जेल रोड मुरैना
शिविर में की जाने वाली निःशुल्क जाँचें
+ Pap's Smear गर्भाशय की जाँच
+ Mammography स्तन की जाँच
+ Cervical Vaccination- Cervical Cancer से बचाव
+ BMD- हड्डियों में Calcium की जाँच
+ Blood Sugar- Diabetes की जाँच
+ S. Uric acid - गठिया वाय की जाँच
+ Hemoglobin
+ BP.
मुख्य अतिथि
कमान्डेंट IPS रघुवंश सिंह भदौरिया
विशिष्ट अतिथि
डॉ. पदमेश उपाध्याय
मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी
डॉ. एस. के. गुप्ता
(Senior Anaesthetist)
Regional Chairperson MJF Lion Dr Ritu Rathi
President MJF Lion Dr Meera Bandil
Secretary Lion Sapana Mandil
Treasurer Lion Sunita Bandil
बॉंदिल नर्सिंग होम एण्ड हॉस्पीटल बाल निकेतन रोड मुरैना
मो. 7999163070, 9340451577, 7000382496, 8319675827

भारत और बांग्लादेश के खिलाड़ियों ने अभ्यास कर बहाया पसीना

ग्वालियर। रविवार को भारत और बांग्लादेश के बीच होने वाले टी-20 मैच से पहले दोनों ही टीमें जीत के लिए अपना पसीना बहा रही हैं। ग्वालियर के शंकरपुर स्थित कै. माधवराव सिंधिया क्रिकेट स्टेडियम नया है और यहां की पिच भी नई है और पहली बार यहां अंर्तराष्ट्रीय मैव होने जा रहा है जिससे पिच के मिजाज से ना तो भारतीय टीम वाकिफहै और ना ही बांग्लादेश की टीम। मैच से पहले दोनों ही टीमें अपनी कमजोरियों को दूर कर सकें, इसके लिये पसीना बहा रही है। भारतीय टीम में इस बार अनुभवी खिलाड़ियों की कमी है और युवा खिलाड़ियों की प्रतिष्ठा दांव पर है।

ग्वालियर में गर्मी से परेशानी ना हो इसके लिए गुरुवार की दोपहर में बांग्लादेश ने अभ्यास किया और शाम को भारत ने अभ्यास किया। वहीं शुक्रवार को दोपहर में भारतीय टीम ने अभ्यास किया और शाम को बांग्लदेश के खिलाड़ी नेट प्रेक्टिस करने मैदान में उतरे। अभ्यास के दौरान बांग्लादेशी खिलाड़ियों ने स्पिन गेंदबाजी का ज्यादा अभ्यास किया, क्योंकि भारतीय टीम में स्पिन गेंदबाज महारथी है और किसी भी बल्लेबाज का अपनी फिरकी से परेशानी में डाल सकते है। अभ्यास के दौरान टीमों के कोचों ने खिलाडियों की कमियों पर ध्यान दिया और जो कमी दिखाई दी उसे दूर करने के लिए अतिरिक्त समय में उनकी प्रैक्टिस कराई। प्रैक्टिस सेशन के दौरान भारतीय टीम के कोच गौतम गंभीर ने खिलाडियों को विशेष रणनीतियों पर ध्यान देने की सलाह दी। प्रेक्टिस के दौरान भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने बल्लेबाजी की और इसमें अक्रामकता पर जोर दिया। जबकि बांग्लादेश के गेंदबाजों ने अपनी स्विंग और स्पिन पर जोर दिया। भारत और बांग्लादेश के बीच छह अक्टूबर को होने वाले मैच की सुरक्षा व्यवस्था के लिए अफसर ग्वालियर आए और शुक्रवार की शाम आईजी अरविंद सक्सैना व डीआईजी अमित सांघी ने उनकी जिम्मेदारियां उन्हें बताई।

बाक्स

होटल में शुरू की पुलिस ने चेकिंग

सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर शुक्रवार की रात से ही पुलिस ने होटल-धर्मशाला व लॉजों में पुलिस ने चेकिंग अभियान चलाया और यहां पर ठहरने वालों की जानकारी जुटाई कि वह किस काम से ग्वालियर आए हैं और कब तक यहां पर ठहरेंगे।

तीन बार हो रही है स्टेडियम की जांच

पुलिस के साथ ही बम स्क्वॉड दिन में तीन बार ग्राउण्ड की फिजीकल चेकिंग कर रहा है और स्टेडियम में प्रवेश करने वालों की गहन जांच के बाद ही प्रवेश दिया जा रहा है।

स्टेडियम के पास कड़ी सुरक्षा

मैच छह अक्टूबर को होना है, लेकिन सुरक्षा इंतजाम के चलते पुलिस ने शुक्रवार की सुबह से ही इस इलाके में अपने चेकिंग प्वाइंट लगा दिए है और हर आने जाने वाले की जांच की जा रही है और स्टेडियम के पास सिर्फ उन्हीं को जाने दिया जा रहा है, जिनके पास अधिकृत पास है। शुक्रवार को एबी रोड से जो मार्ग स्टेडियम के लिये मुड़ता है वहां पर पुलिस ने बैरीकेड लगाकर रास्ता बंद कर दिया है और इस रास्ते पर पासधारकों के अलावा किसी को भी जाने की अनुमति नहीं दी जा रही है।

गौतम गंभीर ने किए मां पीताम्बरा के दर्शन

भारतीय टीम के कोच गौतम गंभीर शुक्रवार की सुबह दतिया पहुंचे और मां पीताम्बरा के दर्शन किए। इस दौरान जीडीसीए और एमपीसीए के पदाधिकारी उनके साथ मौजूद रहे।

बडी स्क्रीन पर दिखाया जायेगा भारत-बांगलादेश मैच: विधायक सिकरवार

शहर की प्रतिष्ठित संस्था जन उत्थान न्यास के तत्वाधान में 6 अक्टूबर को होने वाले भारत-बांगलादेश किक्रेट मैच को एम.एल.बी कॉलेज के मैदान में बडी स्क्रीन पर दिखाया जायेगा। न्यास के अध्यक्ष एवं कांग्रेस विधायक डॉ. सतीश सिकरवार ने कहा कि बडी स्क्रीन पर किक्रेट मैच उन किक्रेट प्रेमियों के लिये आयोजित किया जा रहा है जो किन्हीं भी कारणों से मैच देखने में असमर्थ है। मैच के दौरान न्यास की ओर से दर्शकों के लिये 2 रूपये में 200 एमएल छोटी पानी की बोतल एवं 2 रूपये में चाय दी जायेगी।

सिंधिया ने कहा था शिक्षकों के लिये सड़क पर आऊंगा, लेकिन वह तो मंत्रालय में चले गये : पटवारी

ग्वालियर। ग्वालियर चंबल की धरती से कल भोपाल पहुंचे अतिथि शिक्षकों के साथ जो अन्याय हुआ है और लाठीचार्ज हुआ, अराजकता हुई यह एक तरह से तानाशाही है। जिन अतिथि विद्वानों को चुनाव से पहले नियमित करने के लिए शिवराज जी ने बड़े-बड़े वायदे किए थे और अपने घोषणा पत्र में इस मुददे को शामिल किया था, उसका आज तक पालन नहीं किया गया। लेकिन उन पर लाठियां बरसाई गई यह सरकार का क्या संदेश है। यह बात मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने शुक्रवार को अपने प्रवास के दौरान पत्रकारों से चर्चा करते हुये कहीं।

श्री पटवारी ने कहा कि शिक्षक जो देश और प्रदेश का भविष्य बनाता है और वह आज अपने भविष्य के लिये लड़ रहा है। शिक्षकों के उपर लाठीचार्ज करना बर्बरता है, जो कांग्रेस पार्टी कतई बर्दाश्त नहीं करेगी। कांग्रेस अतिथि शिक्षकों के साथ खड़ी है और उनका सरकार से लड़ाई में कंधे से कंधा मिलाकर साथ देगी। भाजपा ने अतिथि विद्वानों, अतिथि शिक्षकों को नियमित करने का वादा कर वोट लिया था। वही सिंधिया जी ने कहा था कि रोड पर आऊंगा लेकिन वह रोड पर आने की

बजाए मंत्रालय में चले गए अब अगर विपक्ष यह बात नहीं उठाए तो फिर कौन उठाएगा। उन्होंने बीजेपी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि 10 महीने पहले बीजेपी की सरकार शिवराज जी के नेतृत्व में आई थी, उस समय कहा था कि किसानों के धान के 3100 रुपए, गेहूं के 2700 और सोयाबीन के भाव 6000 रुपए देने का दावा किया था, खेती को लाभ का धंधा बनाने की बात कही थी। श्री पटवारी ने कहा कि प्रदेश में बहनों की अस्मत खतरे में है, हर 17 मिनट में एक बलात्कार हो रहा है, मितेन्द्र ने जनता की आवाज को सोशल मीडिया के माध्यम से उठाया, तो सरकार और भाजपा ने मितेन्द्र को धमकाने और उनकी आवाज दबाने के लिए उन पर एफआईआर करवाई। सरकार जनता के काम नहीं करना चाहती है। रोज 100 करोड रुपए का कर्ज लेना चाहती है, उसका विज्ञापन और आयोजन पर फिजूल खर्ची करना चाहती है। इसका भार प्रदेश की जनता पर पड़ रहा है, हमारे बच्चों पर पड़ रहा है आने वाले भविष्य पर पड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि मोहन यादव जी की सरकार अराजक हो गई है, भारतीय जनता पार्टी का चरित्र धोखे देने जैसा है। शिवराज सिंह चौहान ने अतिथि विद्वान को नियमित करने की बात कही थी, उनसे समझौते किए सिंधिया जी ने सरकार गिरा दी, सरकार बेटियों को लाठियां मारी रही है, ये तानाशाही नहीं है तो क्या है, ये सरकार अराजक नहीं तो क्या है, ये सामाजिक का आपातकाल नही तो क्या है। वही विजयपुर उपचुनाव को लेकर श्री पटवारी ने कहा कि विजयपुर में लंबे समय से हमारे कार्यकर्ता कम कर रहे हैं, हम ब्लॉक और सेक्टर वाइज मीटिंग ओर चुके हैं। विजयपुर में जनता के सेंटीमेंट रामनिवास जी के खिलाफहैं, बीजेपी धन का दुरुपयोग करना चाहती है, बीजेपी इस चुनाव में सरकार और प्रशासन का दुरुपयोग करना चाहती हैं जनता बदलाव चाहती है, विजयपुर कांग्रेस 100 नहीं एक लाख प्रतिशत जीतेगी। वहीं कांग्रेस संगठन में बदलाव के सवाल पर श्री पटवारी ने कहा कि जल्दी ही ब्लॉक, पंचायत से जिला और प्रदेश स्तर पर बदलाव किया जाएगा। कार्यकारिणी की घोषणा शीघ्र की जाएगी।

बाजार के लिए निकली छात्रा लापता

ग्वालियर। घर से बाजार जाने की कहकर निकली किशोरी लापता हो गई। किशोरी के लापता होने का पता चलते ही परिजन थाने पहुंचे और पुलिस से शिकायत की। विश्वविद्यालय थाना क्षेत्र स्थित सरस्वती नगर निवासी किशोरी बीते रोज घर से बाजार जाने की कहकर निकली थी और उसके बाद देर शाम तक वह वापस नहीं आई, जब उसका मोबाइल नंबर पर रिंग की तो पता चला कि नंबर बंद है। इसका पता चलते ही परिजनों ने अपने स्तर पर उसकी तलाश की, लेकिन कहीं से उसकी कोई जानकारी नहीं मिली तो परिजन थाने पहुंचे।

निशिता और अंजली ने जीती मेहंदी प्रतियोगिता

ग्वालियर। अग्रवाल नवयुवक संघ लश्कर के तत्वावधान में अग्रसेन जयंती महोत्सव के तहत शुक्रवार को अग्रसेन पार्क दौलतगंज में बषों एवं महिलाओं के लिए सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। इस दौरान मेहंदी, चित्रकला एवं नृत्य प्रतियोगिताएं हुई। बषों ने नृत्य में एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां देकर सबका दिल जीत लिया।

कार्यक्रमों की मुख्य संयोजिका संध्या गर्ग, दीप्ति सरावगी, सुनीता गोयल ने बताया कि सर्वप्रथम दो वर्गों में मेहंदी प्रतियागिता आयोजित की गई। ए वर्ग में निशिता अग्रवाल प्रथम, एरिका गुप्ता द्वितीय, परिधि अग्रवाल तृतीय एवं दीक्षा गर्ग ने सांत्वना पुरस्कार जीता। इसी तरह बी वर्ग में अंजली अग्रवाल प्रथम, नेहा अग्रवाल द्वितीय, काजल बंसल तृतीय एवं शिल्पा अग्रवाल ने सांत्वना पुरस्कार जीता। इसके बाद चित्रकला प्रतियोगिता के ए वर्ग में राधिका गर्ग प्रथम, आशना मित्तल द्वितीय, अर्धव गर्ग तृतीय एवं आरोही गोयल व कृतिका गोयल को सांत्वना पुरस्कार मिला। बी वर्ग में दिव्या सिंघल प्रथम, अर्नव गर्ग द्वितीय, आदिशा अग्रवाल तृतीय व अनिका गर्ग एवं कृष्णा अग्रवाल को सांत्वना पुरस्कार मिला। इसके बाद आयोजित हुई नृत्य प्रतियोगिता में बषों ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुति दी।

फैंसी ड्रेस व पुरस्कार वितरण आज

नवयुवक संघ के अध्यक्ष सुनील गर्ग बबलू, स्वागत अध्यक्ष अजय गोयल एवं महामंत्री मनोज सरावगी ने बताया कि आज शनिवार पांच अक्टूबर को सायं 6 बजे से फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता, एक मिनट गेम एवं अग्रसेन तमोला हाउजी का आयोजन किया जाएगा।

मानसून विदा, पहले दिन ही गिरा पारा

- अक्टूबर माह के दूसरे सप्ताह से लुढ़केगा तापमान

ग्वालियर। मानसून विदाई की घोषणा हो गई है। उधर मानसून की विदाई के साथ ही ग्वालियर अंचल में गर्मी के तेवर बढ़ गये है। हालांकि दूसरे सप्ताह से रातें ठंडी होने लगेगी। न्यूनतम तापमान धीरे धीरे लुढ़कना शुरू हो जायेगा। शुक्रवार को भी बीते दिन की अपेक्षा रात का 1.2 अंक घट गया। वहीं दिन के तापमान में भी 0.6 डिसे की गिरावट आंकी गई है।

स्थानीय मौसम कार्यालय के अनुसार गुरूवार को अधिकतम तापमान 36.6 डिसे दर्ज हुआ था। जबकि शुक्रवार को 0.6 अंक घटकर 36.0 डिसे दर्ज हुआ यह सामान्य से 1.2 डिसे कम आंका गया। इसी तरह गुरूवार को न्यूनतम तापमान 27.4 डिसे आंका गया था। जबकि शुक्रवार को 1.2 अंक घटकर 26.2 डिसे दर्ज हुआ। यह सामान्य से 4.5 डिसे दर्ज हुआ। शुक्रवार को सुबह की आर्दता 66 व शाम की आर्दता 63 प्रतिशत दर्ज हुई।

एक बार फिर एटीएम लुटेरे सक्रिय, वारदात करने से पहले पहुंची पुलिस, भागे बदमाश

- बहोड़ापुर थाना क्षेत्र के आनंद नगर की घटना

ग्वालियर। एक बार फिर ग्वालियर में बदमाशों ने एटीएम लूट का प्रयास किया और एटीएम के कैमरों पर स्प्रे करने के बाद टेप लगाकर वारदात को अंजाम देने का प्रयास किया, लेकिन बदमाश वारदात में सफल हो पाते उससे पहले ही पुलिस वहां से गुजरी तो बदमाश घबराकर भाग निकले। घटना बहोड़ापुर थाना क्षेत्र के आनंद नगर स्थित डबल रोड स्थित एसबीआई एटीएम पर गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात करीब साढ़े बारह बजे की है। पुलिस ने बदमाशों को पकडने के लिए सर्चिंग अभियान चलाया, लेकिन वह हाथ नहीं आए, अब पुलिस बदमाशों का पता लगाने के लिए सीसीटीवी खंगाल रही है। टीआई बहोड़ापुर जितेन्द्र सिंह तोमर ने बताया कि बीती रात एसआई यादवेन्द्र सिंह पुलिस बल के साथ

रात्रि गश्त कर रहे थे कि तभी पुलिस कंट्रोल रूम से सूचना मिली थी कि आनंद नगर स्थित डबल रोड पर एसबीआई के एटीएम में कुछ युवक किसी वारदात को अंजाम देने के लिए पहुंचे और उन्होंने वहां पर लगे सीसीटीवी कैमरों पर स्प्रे कर टेप चिपका दिया है। इसका पता चलते ही एफआरवी 24 और इलाके में निकले प्वाइंट को अलर्ट कर मौके पर पहुंचने के निर्देश दिए। जिस समय पुलिस मोबाइल एटीएम के पास पहुंची, उससे पहले ही आरोपी वहां से भाग निकले। पुलिस ने भागे बदमाशों की तलाश में इलाके की घेराबंदी कर सर्चिंग की, लेकिन बदमाश हाथ नहीं आए। पुलिस ने जब जांच शुरू की तो पता चला कि जिस समय बदमाशों ने एटीएम में स्प्रे किया था, उसी समय एटीएम की सुरक्षा में तैनात कंपनी को उनकी गतिविधि नजर आ गई और उन्होंने तुरंत ही कंट्रोल रूम को सूचना दी। मामले का पता चलते ही कंट्रोल रूम में रात्रि अधिकारी ओपी शर्मा ने तुरंत ही रात्रि गश्त में निकले अफसरों को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस अफसर एक्टिव हुए और तुरंत ही मौके पर पहुंचे, जिससे बदमाश एटीएम तोड़ नहीं सकें और वारदात को अंजाम नहीं दे पाये। बदमाशों का पता लगाने के लिए पुलिस की दो टीमें अब इस इलाके के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाल रही है, जिससे बदमाशों का सुराग लगाया जा सके।

जिला स्तरीय मोगली बाल महोत्सव संपन्न

ग्वालियर। भौगोलिक एवं पर्यावरणीय ज्ञान की समझ को विकसित करने के उददेश्य से शासकीय स्कूलों के बच्चों के लिये ग्वालियर में जिला स्तरीय मोगली बाल महोत्सव का आयोजन हुआ। ग्वालियर जिले से 20 विद्यार्थियों ने भाग लिया था। जिसमे से चार विद्यार्थियों का चयन हुआ है। यह चार बच्चे राज्य स्तरीय कार्यक्रम सिवनी जिला स्थित पेंच टाइगर रिजर्व क्षेत्र में 7 व 8 नवंबर को शामिल होंगे।

जिला नोडल अधिकारी ईको क्लब ने बताया कि जिला स्तरीय मोगली बाल महोत्सव में विकासखण्ड डबरा, भितरवार, घाटीगांव, मुरार शहरी और मुरार ग्रामीण से कनिष्ठ वर्ग एवं वरिष्ठ वर्ग के प्रत्येक ब्लाक से एक बालक व एक बालिका कुल 20 बच्चों ने भाग लिया। जिसमें से कुल 4 बच्चों का चयन राज्य स्तरीय मोगली महोत्सव के लिये हुआ हैं। इस अवसर पर संयुक्त संचालक डा. दीपक पाण्डेय विजय पिपरोलिया, आफाक हुसैन, शमशाद खान, डा. काजल सक्सैना, अभिलाषा श्रीवास्तव, मंजू पुरोहित, त्रिरलोक सिंह, संजय श्रीवास्तव, शशिभूषण, मास्टर ट्रेनर डीएन सुरेश आदि उपस्थित थे।

जीवनसाथी चुनने के लिए दिव्यांगजनों ने उत्साहपूर्वक दिया अपना परिचय

- जिला प्रशासन की पहल पर आईटीआई में हुआ दिव्यांगजन परिचय सम्मेलन का आयोजन

ग्वालियर। दिव्यांगजन भी जीवनसाथी चुनकर अपना घर बसा सकें। इस दिशा में मुख्यमंत्री डॉ. यादव की मंशा के अनुरूप ग्वालियर जिले में जिला प्रशासन द्वारा विशेष पहल की गई है। इस पहल के तहत शुक्रवार को शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षणशाला (आईटीआई) में ÷दिव्यांगजन परिचय सम्मेलन÷ का आयोजन किया गया। जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती दुर्गेश कुंवर सिंह जाटव के मुख्य आतिथ्य और कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान व जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विवेक कुमार की मौजूदगी में आयोजित हुए इस सम्मेलन में दिव्यांगजनों ने उत्साहपूर्वक अपना-अपना परिचय दिया और अपने व्यवसाय की जानकारी दी। साथ ही यह भी बताया कि वे अपने जीवनसाथी में कौन-कौन सी खूबियों की अपेक्षा रखते हैं। सम्मेलन में लगभग एक सैकड़ा दिव्यांगजनों ने भाग लिया। जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती दुर्गेश जाटव ने सम्मेलन में आए सभी दिव्यांगजनों को शुभकामनाएं दी।

उन्होंने कहा केन्द्र व राज्य सरकार दिव्यांगजनों के समग्र कल्याण के लिए कृत संकल्पित होकर काम कर रहीं हैं। ग्वालियर जिला प्रशासन ने दिव्यांगजनों का विवाह कराने के लिए बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराया है। इस मौके पर कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने कहा कि इस परिचय सम्मेलन में जो जोड़ें तय होंगे। उनका विवाह दीपावली के बाद शुभ मुहूर्त पर सामूहिक विवाह सम्मेलन के जरिए कराया जाएगा। साथ ही सरकार द्वारा संचालित दिव्यांगजन विवाह प्रोत्साहन योजना सहित शासन की अन्य योजनाओं का लाभ भी दिव्यांगजनों को दिलाया जाएगा। इसके अलावा स्थानीय स्तर पर जन सहयोग से भी दिव्यांगजनों की गृहस्थी बसाने के लिए मदद दिलाई जाएगी। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण विभाग के सहयोग से जिला प्रशासन द्वारा आयोजित किए इस शिविर में संयुक्त संचालक सामजिक न्याय श्रीमती कृति दीक्षित, जिला शिक्षा अधिकारी अजय कटियार व डीपीसी रविन्द्र तोमर मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन एस.बी. ओझा ने किया।

नए पोर्टल से भू-अर्जन प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, त्वरित और प्रभावी बनेगी: संभाग आयुक्त खत्री

ग्वालियर । राष्ट्रीय राजमार्गों से संबंधित सड़क परियोजनाओं के लिए भू अर्जन की कार्रवाई को तेजी से पूर्ण करने के उद्देश्य से सरकार द्वारा भूमिराशि 2.0 पोर्टल तैयार कराया गया है। भू-अर्जन अधिकारियों को इस पोर्टल से संबंधित बारीकियां सिखाने के लिए संभाग आयुक्त मनोज खत्री की अध्यक्षता में शुक्रवार को ग्वालियर के एक स्थानीय होटल में राज्य स्तरीय कार्यशाला आयोजित हुई। इस अवसर पर संभाग आयुक्त श्री खत्री ने कहा भूमिराशि 2.0 पोर्टल भू अर्जन प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, त्वरित और प्रभावी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

कार्यशाला में ग्वालियर, चंबल, सागर, रीवा, शहडोल और जबलपुर संभागों के सभी जिलों के भू अर्जन अधिकारियों ने भाग लिया। संभाग आयुक्त श्री खत्री ने कहा कि भूमि राशि 2.0ष् पोर्टल से भू-अर्जन के कार्य में और पारदर्शिता आएगी।

साथ ही भू-अर्जन अधिकारी आरोप-प्रत्यारोपों से भी बचेंगे और मैदान में बिना किसी परेशानी के भू-अर्जन के काम को अंजाम दिया जा सकेगा। भू अर्जन अधिकारियों को प्रेरित करते हुए उन्होंने कहा कि वे इस कार्यशाला से सीखे गए ज्ञान का उपयोग कर मैदान में भू-अर्जन का काम बेहतर तरीके से करें।कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने भी पोर्टल की नई खूबियों की सराहना की और अधिकारियों से अपेक्षा की कि वे इसे प्रभावी ढंग से अपनाएं। उन्होंने कहा भूमिराशि 2.0 पोर्टल को नई विशेषताओं के साथ बनाया गया है। इससे भू-अर्जन की प्रक्रिया त्वरित गति व सरलता से पूर्ण की जा सकेगी।

कार्यशाला में विषय विशेषज्ञों द्वारा भू अर्जन की बारीकियों पर विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही बताया गया कि भू-अर्जन के संबंधित एवार्ड पारित करना एवं हितधारकों के खातों में भू-अर्जन की राशि पहुंचाने का काम इस पोर्टल के माध्यम से आसानी से किया जा सकेगा। इस अवसर पर कलेक्टर ग्वालियर श्रीमती रुचिका चौहान, राष्ट्रीय सड़क विकास प्राधिकरण के क्षेत्रीय अधिकारी एस. के. सिंह, सेवा निवृत आई. ए. एस. एस. एन. रूपला तथा संयुक्त सलाहकार राजेश कुमार सहित अन्य अधिकारी व विषय-विशेषज्ञ उपस्थित थे।

बच्ची को अकेला देख घर में घुस आया दरिंदा, किया दुष्कर्म, आरोपी पकड़ा

ग्वालियर। तेरह साल की बच्ची को घर में अकेला देखकर एक दरिंदा घुस आया और दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। घटना पिछोर थाना क्षेत्र के विर्राज की है। घटना का पता उस समय चला जब बच्ची के परिजन घर पहुंचे तो उसकी हालत खराब थी। बालिका को उपचार के लिए पहुंचाया तो पता चला कि उसके साथ गलत काम हुआ है। घटना की जानकारी परिजनों ने पुलिस को दी। मामला पता चलते ही पुलिस ने दुष्कर्म का मामला दर्ज कर आरोपी को दबोच लिया है।

पिछोर थाना क्षेत्र के विर्राज निवासी तेरह वर्षीय बच्ची बीते रोज घर पर अकेली थी और माता-पिता किसी काम से गए थे। दोपहर करीब बारह बजे गांव में रहने वाला दिलीप बघेल वहां पर पहुंचा और उसे अकेला देखकर उसका मुंह दबाया और अंदर कमरे में ले गया। इसके बाद आरोपी ने उसके साथ गलत काम किया। इसके बाद आरोपी उसे जान से मारने की धमकी देकर भाग गया। वारदात की शिकार पीडिता दर्द और पीड़ा से गिड़गिड़ाती रही, लेकिन दरिंदा वारदात को अंजाम देता रहा और जब उसकी हालत बिगड़ी तो भाग गया। शाम को जब पीडिता के परिजन घर पहुंचे तो बच्ची की हालत खराब देखकर उसे अस्पताल ले गए, तब उन्हें घटना का पता चला। मामले का पता चलते ही पुलिस को सूचना दी।

निगमायुक्त ने किला तलहटी विकास नगर का किया निरीक्षण

ग्वालियर। शुक्रवार को निगम आयुक्त अमन वैष्णव अचानक वार्ड 32 किला तलहटी स्थित विकास नगर का निरीक्षण करने पहुंचे और समस्याओं को देखा। शुक्रवार को निगमायुक्त श्री वैष्णव ने वार्ड 32 में किला तलहटी में पहुंचे और यहां बसे विकास नगर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान स्थानीय निवासियों ने विकास नगर की समस्याओं से अवगत कराते हुए निगमायुक्त को बताया कि किले का पानी आने से क्षेत्र में समस्या बनी हुई है। जिस पर निगमायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को किला स्थित गुरुद्वारा कमेटी से चर्चा कर पाइप लाइन डालने के लिए निर्देशित किया। साथ ही इस कार्य का प्राक्कलन बनाकर गुरुद्वारा कमेटी को अवगत कराने के लिए भी निर्देशित किया। निरीक्षण के दौरान सहायक यंत्री रामसेवक शाक्य सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

कार चालक ने आधा दर्जन को मारी टक्कर

ग्वालियर। तेज रफ्तार आ रहे कार चालक ने अचानक सामने आई गाय को बचाने स्टेयरिंग मोड़ दी। जिससे कार अनियंत्रित हो गई और आधा दर्जन के करीब ठेले व बाइकों में टक्कर मार दी। हादसे में दो लोग घायल हो गये हैं और उनकी हालत गंभीर बन गई है। घटना कंपू थाना क्षेत्र के गुढ़ा-गुढ़ी का नाका पर बीती रात सवा 11 बजे की है। अचानक हुई घटना से हड़कंप मच गया और हादसे का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को उपचार के लिए पहुंचाकर आरोपी चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

सांई कॉलोनी निवासी देवेन्द्र सिंह बैस ने मुगफ्ली का ठेला लगाते है और बीती रात वह गुढ़ी-गुढ़ा का नाका पर मुगफ्ली का ठेला लगाए हुए थे कि तभी तेज रफ्तार आ रहे कार सवार के सामने अचानक गाय आ गई और उसकी कार अनियंत्रित होकर उनके ठेले से टकराई और उसके बाद उन्हें टक्कर मार दी, इसके बाद भी कार रूकी नहीं और पास ही अजय कुमार के ठेले में टक्कर मारी, जिससे उसका ठेला टूट गया और वह घायल हो गया। हादसे के बाद वहां पर बाइकों पर बैठे दो युवक सुनील कुमार और जितेन्द्र गोस्वामी जान बचाने भागे और उनकी बाइकों को भी कार सवार ने टक्कर मार दी। हादसे का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और कार को निगरानी में लेकर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

संपादकीय

जम्मू-कश्मीर ने सुना दिया लोकतंत्र के पक्ष में फैसला, अलगाववादियों को मारा वोट का तमाचा

जम्मू कश्मीर के लोगों ने चुनावी बहिष्कार के किसी भी झांसे में आने के बजाय लोकतंत्र में आस्था जताई। यह कम बड़ी बात नहीं कि उन निर्वाचन क्षेत्रों में भी जम कर मतदान हुआ, जहां अलगाववादी समूह लोकतांत्रिक प्रक्रिया को ठेस पहुंचाने के लिए चुनावी बहिष्कार का एलान कर दिया करते थे। जम्मू-कश्मीर में हुए विधानसभा चुनाव के आखिरी चरण में भी जिस तरह लोगों ने उत्साह के साथ मतदान किया, उससे यह साफ जाहिर है कि राज्य में लोकतंत्र की नई हवा बहने की उम्मीद मजबूत हुई है। गौरतलब है कि जम्मू-कश्मीर में अंतिम चरण के चुनाव में 69.65 फीसद मतदान हुआ। तीन चरणों में हुए चुनाव में भारी संख्या में लोगों ने अपने विवेक से मताधिकार का प्रयोग कर देश के लोकतंत्र में भरोसा तो जताया ही, साथ ही उन्होंने अलगाववादी ताकतों और उन्हें पनाह देने वाले देशों को भी आईना दिखा दिया। यह भी संयोग है कि इस बार राज्य में कहीं पुनर्मतदान की नौबत नहीं आई। न कहीं कानून व्यवस्था की स्थिति बिगड़ी और न ही आतंकी हिंसा की कोई बड़ी खबर आई। वहीं तमाम अंतर्विरोधों के बीच सभी राजनीतिक दलों ने भी संयम का परिचय देते हुए देते हुए रैलियां और सभाएं कीं। इस तरह जम्मू-कश्मीर के नागरिकों ने पूरी दुनिया को बड़ा संदेश दिया कि यहां लोकतंत्र की जड़ें कितनी गहरी हैं। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने भी यह कहा कि इस चुनाव ने लोकतंत्र की गहराई को चिह्नित किया है और यह आने वाले वर्षों में क्षेत्र की लोकतांत्रिक भावना को प्रेरित करता रहेगा।

सच यह है कि जम्मू कश्मीर के लोगों ने चुनावी बहिष्कार के किसी भी झांसे में आने के बजाय लोकतंत्र में आस्था जताई। यह कम बड़ी बात नहीं कि उन निर्वाचन क्षेत्रों में भी जम कर मतदान हुआ, जहां अलगाववादी समूह लोकतांत्रिक प्रक्रिया को ठेस पहुंचाने के लिए चुनावी बहिष्कार का एलान कर दिया करते थे। इसके उलट चुनाव में ऐसे समूहों की भागीदारी और सक्रियता देखी गई, जो एक समय वहां के लोगों से चुनाव से दूर रहने का आह्वान करते थे या उन्हें धमकाते थे। इसे एक बड़ी उपलब्धि कही जा सकती है कि चुनाव में भागीदारी करके अलगाववाद की राजनीति करने वाले समूहों ने मुख्यधारा की राजनीति और देश के संविधान में विश्वास जाहिर किया। एक खास बात यह भी दिखी कि जहां महिला मतदाताओं की संख्या में सत्ताईस फीसद से अधिक की बढ़ोतरी हुई, वहीं 2014 के बाद महिला उम्मीदवार भी अधिक संख्या में चुनाव मैदान में उतरीं। बहरहाल, नतीजों की तस्वीर चाहे जो बने, जम्मू-कश्मीर के मतदाताओं ने लोकतंत्र के पक्ष में फैसला सुना दिया है।

डार्विन ने कहा कि धरती पर जीवन की शुरुआत से ही जीवों का आपसी और प्रकृति के प्रति संघर्ष चला आ रहा है। जो इस संघर्ष में अनुकूल रहे, वे जीवित रहे। जो प्रतिकूल रहे, वे नष्ट हो गए। एक बुद्धिमान व्यक्ति प्रकृति के साथ समायोजन करता है और जीवन का आनंद लेता है। आकाश में उड़ने वाला एक सफेद पक्षी बगुला पानी में मछली की चाल की दिशा के साथ समायोजित हो जाता है, पानी में गिरने वाले शिकार को सही ढंग से पकड़ने में सफलता प्राप्त करेगा। अगर मछली के साथ उसकी दिशा का समायोजन गलत है, तो वह पानी की मछली का आनंद लेने में विफल रहेगा। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को जीवन का आनंद लेने के लिए परिस्थितियों के साथ स्वयं को समायोजित करना चाहिए। बच्चों, माता-पिता और रिश्तेदारों के साथ जीवन का आनंद लेने के लिए हमें व्यक्तियों और परिवार के साथ समायोजन करना चाहिए। अगर नहीं, तो शांतिपूर्ण जीवन नहीं होगा।

जीवन का आनंद लेने के लिए परिस्थितियों के साथ समायोजन की कला

समाज में रहने का मतलब है लगातार चुनौतियों के साथ जीना। एक प्रसिद्ध कहावत है कि जब सभी एक जैसा सोचते हैं, तो कोई भी बहुत ज्यादा नहीं सोचता। इसका मतलब है कि मनुष्य इस दुनिया में एक पेड़ की तरह नहीं है। वह एक बड़े बगीचे का हिस्सा है। चार्ल्स डार्विन ने 1858 में विकासवाद के सिद्धांत की खोज की थी। इस सिद्धांत ने उन मान्यताओं को खारिज किया था, जिसमें कहा गया था कि इंसान, जीव-जंतुओं और पेड़-पौधों का निर्माण एक अलौकिक घटना है। डार्विन ने कहा कि धरती पर जीवन की शुरुआत से ही जीवों का आपसी और प्रकृति के प्रति संघर्ष चला आ रहा है। जो इस संघर्ष में अनुकूल रहे, वे जीवित रहे। जो प्रतिकूल रहे, वे नष्ट हो गए। एक बुद्धिमान व्यक्ति प्रकृति के साथ समायोजन करता है और जीवन का आनंद लेता है। आकाश में उड़ने वाला एक सफेद पक्षी बगुला पानी में मछली की चाल की दिशा के साथ समायोजित हो जाता है, पानी में गिरने वाले शिकार को सही ढंग से पकड़ने में सफलता प्राप्त करेगा। अगर मछली के साथ उसकी दिशा का समायोजन गलत है, तो वह पानी की मछली का आनंद लेने में विफल रहेगा। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को जीवन का आनंद लेने के लिए परिस्थितियों के साथ स्वयं को समायोजित करना चाहिए। बच्चों, माता-पिता और रिश्तेदारों के साथ जीवन का आनंद लेने के लिए हमें व्यक्तियों और परिवार के साथ समायोजन करना चाहिए। अगर नहीं, तो शांतिपूर्ण जीवन नहीं होगा। प्रकृति में सूर्य और चंद्रमा, नदी और समुद्र, सर्दी और गर्मी आदि एक दूसरे के साथ समायोजन कर रहे हैं। हमें शांति से अपने जीवन का आनंद लेने के लिए प्राकृतिक तत्त्वों द्वारा समायोजन के पाठ का पालन करना चाहिए। प्रकृति के नियमों को भले ही नहीं बदला जा सकता, लेकिन खुद अपने नियमों को तो बदला ही जा सकता है। समाज के साथ मनुष्य के रिश्ते के बारे में भी यही सच है। कहा जाता है कि मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। केवल इस अर्थ में नहीं कि मनुष्य समाज में रहता है, बल्कि इस अर्थ में कि मनुष्य पूरी तरह से समाज पर निर्भर है। व्यक्तित्व विकास से लेकर सभ्यतागत प्रगति तक, सब कुछ समाज पर निर्भर करता है। व्यक्तिवाद एक अच्छा विचार प्रतीत हो सकता है, लेकिन व्यावहारिक अर्थों में यह लाभदायक नहीं है। कोई भी व्यक्ति खुद को समाज से अलग नहीं कर सकता। समाज का काम किसी व्यक्ति के हिसाब से खुद को बदलना नहीं है। हर व्यक्ति को समाज के मानदंडों के हिसाब से खुद को ढालना चाहिए। कोई भी व्यक्तिवाद में लिप्त नहीं हो सकता। जब लोग समाज में एक साथ रहने की कोशिश करते हैं, तो उन्हें बार-बार लगता है कि वे मतभेदों की दुनिया में रह रहे हैं। हर अंतर एक चुनौती की तरह है। इसलिए समाज में रहने का मतलब है लगातार चुनौतियों के साथ जीना। एक प्रसिद्ध कहावत है कि जब सभी एक जैसा सोचते हैं, तो कोई भी बहुत ज्यादा नहीं सोचता। इसका मतलब है कि मनुष्य इस दुनिया में एक पेड़ की तरह नहीं है। वह एक बड़े बगीचे का हिस्सा है। व्यक्तिगत जीवन का मतलब है एक सीमित क्षेत्र में रहना। इस तरह यह भविष्य के विकास में एक निरंतर बाधा है। यह कोकून में रहने जैसा है। समाज एक जीवित विश्वविद्यालय की तरह है। जो समाज के खिलाफ जाने की कोशिश करता है, वह सामाजिक विनाश करता है। इसलिए शिकायत एक व्यर्थ अभ्यास है, चाहे वह प्रकृति के खिलाफ हो या समाज के खिलाफ। हमें प्रकृति और समाज दोनों के साथ तालमेल बिठाना होगा। समायोजन का मतलब है शिकायत न करना, दूसरों को बदलने की कोशिश न करना, नकारात्मक न बनना, परिस्थिति को बाधा न मानना, बल्कि उसे सहजता से संभालना। गलती करना मानवीय है और चूंकि हम हमेशा सही नहीं हो सकते, इसलिए कभी-कभी अपनी सीमाओं को स्वीकार करना और अपने आसपास के लोगों के विचारों के साथ तालमेल बेहतर होता है। जो व्यक्ति किसी के साथ उसके बुरे स्वभाव, व्यवहार, असामान्यता के बावजूद समायोजित हो सकते हैं, वे जादूगर नहीं हैं। वे आप, मैं या हमारे आसपास के किसी भी अन्य व्यक्ति की तरह ही हैं। जो बात उन्हें अलग बनाती है, वह है उन लोगों के साथ अच्छे से पेश आना, जिनके साथ वे अपने दैनिक जीवन में पेश आते हैं। आज की दुनिया में हम खुद को समाज से अलग नहीं कर सकते और दुनिया की परवाह किए बिना अहंकारी तरीके से नहीं जी सकते। समायोजन एक सतत प्रक्रिया है, क्योंकि परिस्थितियां बदलती रहती हैं। जैसे-जैसे परिस्थितियां बदलती हैं, हमारे व्यवहार में भी परिवर्तन होता है और व्यवहार में ऐसे परिवर्तन हमारे वातावरण को प्रभावित करते हैं। जीवन के विभिन्न चरणों में अलग-अलग समस्याएं होती हैं। चूंकि बचपन में व्यक्ति का समायोजन और समायोजन की प्राथमिकताएं भी बदल जाती हैं, इसलिए बच्चे को माता-पिता, बड़ों और भाई-बहनों के साथ समायोजन करना पड़ता है। अपने बचपन में वह शिक्षकों और स्कूली दुनिया के अन्य कारकों के साथ तालमेल बिठाने के लिए संघर्ष करता है। शिक्षा की प्रतियोगिता के बाद, वह किसी पेशे में शामिल हो जाता है और उसे पेशेवर लोगों के साथ उचित संबंध स्थापित करने होते हैं। जब विवाहित जीवन शुरू होता है तो जीवन साथी और अन्य कारकों के साथ समायोजन की आवश्यकता होती है। समायोजित व्यक्ति अपनी प्रमुखता और सीमाओं के बारे में अच्छी तरह से सचेत होता है। वह अपनी बुनियादी क्षमताओं के प्रति सजग होता है। वह अपनी उपलब्धियों और असफलताओं से परिचित होता है। नतीजतन, वह आवश्यकता के अनुसार अपने आप में अनिवार्य परिवर्तन करता है।

सेवा भाव पर हावी होता स्वार्थ जलवायु परिवर्तन की गहराती समस्या

कल्पना कीजिए कि यदि 20 वर्ष से पहले पर्यावरण शिक्षा को अनिवार्य और स्वतंत्र विषय बना दिया जाता तो देश के प्रशासन में आज युवाओं की एक ऐसी पीढ़ी कार्यरत होती जिसके मन मस्तिष्क में पर्यावरण रक्षा के प्रति श्रद्धा पैदा हो चुकी होती। संभव है कि उनमें से कोई एक दिल्ली की समस्या को चुनौती मानकर इसका समाधान करने के लिए जी जान से जुट जाता और सफल होता। जाने-माने बौद्ध विचारक थिच नहत हान ने जलवायु परिवर्तन की गहराती समस्या पर कहा था कि यदि हम उसी रास्ते पर चलते रहे, जिस पर इस समय चल रहे हैं तो निश्चित ही मनुष्य जाति का विनाश हमारे अनुमानों से पहले ही हो जाएगा। जो लोग जलवायु परिवर्तन की स्थिति को समझते हैं और तथ्यों से परिचित हैं, उन्हें इससे कोई असहमति नहीं सकती है। आश्चर्य तब होता है जब विश्व भर में सत्ता पर काबिज लोग भी वर्तमान रास्ते को बदलने की बात तो लगातार करते हैं, अनेक उपायों की चर्चा भी करते हैं, लेकिन जमीन पर कोई व्यावहारिक बदलाव नहीं हो पाता है। इसका सबसे निकटस्थ उदाहरण है दिल्ली में वायु प्रदूषण की भयावह समस्या। प्रतिवर्ष वही वादे, वही न्यायालय के नाराजगी भरे निर्णय और उत्तरदायी व्यक्तियों द्वारा लगातार अपनी कर्मठता जाहिर करते देखना मात्र तक ही दिल्ली की नियति बन गई है। वैसे यह समस्या सिर्फ दिल्ली की ही नहीं, देशव्यापी है, विश्वव्यापी है। करीब बीस वर्ष पहले एक ऐसी संभावना बनी थी, जिसमें भारत की नई पीढ़ी को पर्यावरण प्रदूषण से निपटने के लिए तैयार किया जा साकता था, मगर वह राजनीति की भेंट चढ़ गया। दरअसल सर्वोच्च न्यायालय ने एनसीईआरटी को दिसंबर 2003 में निर्देश दिया था कि वह पर्यावरण शिक्षा को एक अलग विषय के रूप में पढ़ाए जाने के लिए कक्षा एक से लेकर 12 तक का पाठ्यक्रम बनाए, जिसे संस्था ने मार्च 2004 में न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर दिया। न्यायालय ने उसे सभी राज्य सरकारों को भेजा। यह राष्ट्रीय स्तर पर अत्यंत संतोष की स्थिति थी कि सभी राज्य सरकारों ने उस पाठ्यक्रम को स्वीकार किया। साथ ही अपने स्कूल शिक्षा की संरचना में आवश्यक परिवर्तन कर पर्यावरण शिक्षा को एक अलग स्वतंत्र विषय बनाने की बात कही। मई 2004 में केंद्र में नई सरकार आ गई। चूंकि उक्त निर्णय पूर्ववर्ती सरकार के प्रयास का परिणाम था अतः उसने उस निर्णय को लागू नहीं किया। नीति-निर्धारण स्तर पर जब भविष्यदृष्टि की कमी होती है, तब अनेक ऐसे निर्णय लिए जाते हैं, जिनका आधार शैक्षिक या अकादमिक न होकर कहीं न कहीं राजनीतिक विचारधाराओं के सतत संघर्ष में छिपा होता है। कल्पना कीजिए कि यदि 20 वर्ष से पहले पर्यावरण शिक्षा को अनिवार्य और स्वतंत्र विषय बना दिया जाता तो देश के प्रशासन में आज युवाओं की एक ऐसी पीढ़ी कार्यरत होती, जिसके मन मस्तिष्क में पर्यावरण रक्षा के प्रति श्रद्धा पैदा हो चुकी होती। संभव है कि उनमें से कोई एक दिल्ली की समस्या को चुनौती मानकर इसका समाधान करने के लिए जी जान से जुट जाता और सफल होता। इंदौर और सूरत जैसे शहरों में जो सफलताएं स्वच्छता को लेकर मिलीं और सारे देश में इन शहरों की सराहना हुई, उसके पीछे भी कहीं न कहीं एक उत्साहित, अध्ययनशील और भविष्यदृष्टि वाला व्यक्तित्व उपस्थित था। सामान्यजन अब यह समझ चुके हैं कि उत्तरदायी व्यक्ति यदि निष्ठापूर्वक किसी समस्या का समाधान करना चाहे तो रास्ते निकाल सकते हैं और समाधान भी प्राप्त कर सकते हैं। इसके लिए पहली आवश्यकता यह है कि उन्हें अपने परिवार और करियर के बजाय जनसेवा को जीवन का उद्देश्य बनाकर आगे बढ़ना होगा। लोकतंत्र कहता है कि जो चयनित जनप्रतिनिधि संवैधानिक पदों पर नियुक्त होंगे वे जनसेवा के कारण ही वहां पहुंचेंगे और इसके बाद वे पूर्णरूपेण अपना सर्वस्व उसी के लिए समर्पित कर देंगे। यही अपेक्षा तो गांधी, सुभाष चंद्र बोस, डॉ. राजेंद्र प्रसाद, आचार्य कृपलानी जैसे मनीषियों ने स्वतंत्र भारत में नेतृत्व प्रदान करने वाले जन प्रतिनिधियों से की थी। दुख की बात है कि उनकी अपेक्षाओं को वर्तमान राजनीतिक और दलगत वैचारिक प्रतिबद्धताओं की आधी-अधूरी समझ के अंतर्गत पूरी तरह नकार दिया गया है। हर उस क्षेत्र में जहां जनसाधारण का जीवन प्रभावित होता है, निर्णय ले सकने वालों की स्वार्थपरकता व्यक्ति के लिए कष्टकर स्थितियां ही उत्पन्न करती हैं। जनहित की बड़ी-बड़ी परियोजनाएं इसी कारण अपने लक्ष्य प्राप्त नहीं कर पाती हैं। उदाहरण के रूप में अगर देश के स्वास्थ्य क्षेत्र को ही लें तो अनेक सरकारी योजनाओं की घोषणा होने के बावजूद आज भी सरकारी अस्पतालों की स्थिति सामान्य व्यक्ति के लिए सुविधाजनक नहीं बन पाई है। ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्रों की हालत और चिंताजनक है। उनमें नियुक्त डाक्टर सप्ताह में एक या दो दिन ही जाते हैं, उनके वरिष्ठ अधिकारी यह सब जानते हैं, मगर पता नहीं क्यों किसी कार्रवाई की आवश्यकता महसूस नहीं करते। अंततः लोग इस स्थिति को अपरिवर्तनीय मानकर स्वीकार कर लेते हैं। वर्ष 2013 में आई न्यायमूर्ति जेएस वर्मा समिति की रिपोर्ट में बताया गया था कि देश में 10 हजार शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान केवल व्यापार कर रहे हैं, प्रशिक्षण की गुणवत्ता में उनकी कोई रुचि नहीं है और वे डिग्री बेच रहे हैं। नई शिक्षा नीति-2020 में भी इस कथन को शामिल किया गया है और शिक्षक प्रशिक्षण में गहन सुधारों की आवश्यकता को स्वीकार किया गया है। शिक्षा नीति में न्यायमूर्ति जेएस वर्मा समिति के शब्दों को दोहराया जाना यह स्पष्ट करता है कि डिग्री बेचने वाले संस्थान इस बीच अपना कार्य करते रहे। राष्ट्रीय स्तर पर व्यवस्थागत निष्क्रियता और अन्यमनस्कता का यह एक सटीक उदाहरण है। देश में ऐसे उदाहरणों की कमी नहीं है। स्पष्ट है सामान्य जन के जीवन में अपेक्षित परिवर्तन तभी होगा, जब देश का प्रबुद्ध वर्ग अपना उत्तरदायित्व निभाने के लिए आगे आएगा और सरकारी तंत्र ईमानदारी, कर्मठता और सेवा भाव को प्राथमिकता देगा।

(लेखक शिक्षा, सामाजिक सद्भाव और पंथक समरसता के क्षेत्र में कार्यरत हैं।)

दुनिया में चल रहे युद्ध पर भारत का अपना स्टैंड, त्रासदी के विरुद्ध शांति का पैगाम

दरअसल, हमास के हमले के बाद इजराइल ने जो आक्रामक रुख अख्तियार किया, वह अब लेबनान और ईरान तक को अपने दायरे में ले रहा है और इसमें शामिल सभी पक्ष केवल खुद को सही और पीड़ित मान रहे हैं। मगर विचित्र है कि युद्ध के बजाय संवाद के जरिए समाधान का रास्ता खोजने के बजाय इजराइल, हमास, हिजबुल्ला या ईरान की ओर से युद्ध की घोषणा, हमला और उसके जवाब में उससे बड़ा हमला करके मसले का हल निकालने का दावा किया जा रहा है। सवाल है कि युद्ध का जो रास्ता खुद ही एक समस्या है, उसके जरिए किसी मसले का हल निकालने की कोशिश कहां लेकर जाएगी?

भारत ने हमेशा युद्ध के बजाय समस्या के हल का रास्ता शांति, संवाद और कूटनीति के जरिए निकालने की वकालत की है। भारत की चिंता इस बात से भी जुड़ी हुई है कि इजराइल और ईरान के बीच टकराव की नई तस्वीर में कहीं दुनिया के और कई देशों के उलझने की स्थिति न बने। पश्चिम एशिया में अब युद्ध का दायरा जिस तरह फैलने की आशंका पैदा हो रही है, उसका सिरा कहां तक जा सकता है और इसके क्या नतीजे हो सकते हैं, इसका अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है। स्वाभाविक ही भारत ने चिंता जताते हुए युद्ध में शामिल सभी पक्षों से संयम बरतने का आह्वान किया है और यह भी कहा कि अगर टकराव नहीं रुका तो कहीं ऐसा न हो कि युद्ध समूचे क्षेत्र को अपनी चपेट में ले ले। दरअसल, हमास के हमले के बाद इजराइल ने जो आक्रामक रुख अख्तियार किया, वह अब लेबनान और ईरान तक को अपने दायरे में ले रहा है और इसमें शामिल सभी पक्ष केवल खुद को सही और पीड़ित मान रहे हैं। मगर विचित्र है कि युद्ध के बजाय संवाद के जरिए समाधान का रास्ता खोजने के बजाय इजराइल, हमास, हिजबुल्ला या ईरान की ओर से युद्ध की घोषणा, हमला और उसके जवाब में उससे बड़ा हमला करके मसले का हल निकालने का दावा किया जा रहा है। सवाल है कि युद्ध का जो रास्ता खुद ही एक समस्या है, उसके जरिए किसी मसले का हल निकालने की कोशिश कहां लेकर जाएगी? यह जगजाहिर हकीकत है कि मध्य-पूर्व में कई युद्धों ने उस समूचे इलाके में एक बड़ी त्रासदी खड़ी की। उससे उबरने में कई देशों को खासा वक्त लगा और अब वहां जब स्थितियां बेहतरी का रुख पकड़ रही थीं, तो अब फिर हालात चिंताजनक बन रहे हैं। स्वाभाविक ही उन इलाकों में रहने वाली आम आबादी के सामने जीवन तक की चुनौती खड़ी हो रही है। दरअसल, भारत की चिंता इस बात से भी जुड़ी हुई है कि अगर इजराइल और ईरान के बीच जारी टकराव ने बेलगाम युद्ध का रास्ता अख्तियार किया, तो उस समूचे इलाके में रहने वाले भारतीयों के सामने एक बड़ा संकट खड़ा हो जाएगा। इसी से चिंतित भारत ने यह कहा है कि हम इस समूचे क्षेत्र में अपने नागरिकों की रक्षा के लिए तत्पर हैं। मगर सच यह है कि हिजबुल्लाह के प्रमुख नसरल्लाह की हत्या के बाद इजराइल पर जिस तरह भारी संख्या में मिसाइल दागे गए, उसके बाद अगर युद्ध की स्थितियां अनियंत्रित हुईं, तो उसमें चुनौतियां गहराएंगी। इसी के मद्देनजर भारत ने ईरान में अपने नागरिकों को सतर्क रहने और गैर-जरूरी यात्राओं से बचने की सलाह दी है। भारत ने हमेशा युद्ध के बजाय समस्या के हल का रास्ता शांति, संवाद और कूटनीति के जरिए निकालने की वकालत की है। भारत की चिंता इस बात से भी जुड़ी हुई है कि इजराइल और ईरान के बीच टकराव की नई तस्वीर में कहीं दुनिया के और कई देशों के उलझने की स्थिति न बने। दो देशों के बीच जंग से लेकर विश्व युद्धों तक के रूप में दुनिया ने देखा है कि युद्ध का हासिल क्या होता है। इतिहास से लेकर अब तक के तमाम उदाहरण यही साबित करते हैं कि संयम और संवाद के बजाय अगर युद्ध का रास्ता चुना जाता है तो उससे खुद वह मुद्दा भी और ज्यादा जटिल हो जाता है, जिसके हल के लिए ऐसा किया जाता है। अतीत में युद्ध की वजह से मानवता के सामने खड़े हुए त्रासद संकट से सबक लेने के बजाय अगर आधुनिक माने जाने वाले देश भी सैन्य टकराव को प्राथमिक उपाय मानते हैं, तो इसे कैसे देखा जाएगा? विडंबना यह है कि आमतौर पर युद्ध के बाद थक कर सभी पक्षों को संवाद और कूटनीति के मंच पर ही आना पड़ता है, ताकि आगे शांति कायम की जा सके। इसलिए भारत ने अगर संयम बरतने का आह्वान किया है तो इसके मायने समझे जा सकते हैं।

केंद्रीय मंत्रिमंडल का बड़ा फैसला, मराठी समेत इन पांच भाषाओं को दिया शास्त्रीय दर्जा

**यह फैसला महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से ठीक पहले आया है और इसे भारतीय सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। इसके साथ ही पाली, प्राकृत, असमिया और बंगाली को भी इस मान्यता से नवाजा गया है, जिससे इन भाषाओं के अध्ययन और प्रचार को नई दिशा मिलेगी। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले मराठी भाषा को शास्त्रीय भाषा का दर्जा देने का निर्णय लिया है। यह प्रस्ताव एक दशक पुराना था और इसके साथ ही पाली, प्राकृत, असमिया और बंगाली को भी इस श्रेणी में शामिल किया गया है। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि यह निर्णय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में लिया गया। उन्होंने कहा कि शास्त्रीय भाषाएं भारत की सांस्कृतिक विरासत की संरक्षक होती हैं और वे किसी समुदाय के ऐतिहासिक विकास का परिचायक होती हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने मराठी को भारत का गौरव बताया और कहा कि इसे शास्त्रीय भाषा का दर्जा देना हमारे देश के इतिहास में इसके योगदान की मान्यता है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने हाल ही में एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए मराठी को शास्त्रीय भाषा का दर्जा देने का प्रस्ताव मंजूर किया है। यह फैसला महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से ठीक पहले आया है और इसे भारतीय सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। इसके साथ ही पाली, प्राकृत, असमिया और बंगाली को भी इस मान्यता से नवाजा गया है, जिससे इन भाषाओं के अध्ययन और प्रचार को नई दिशा मिलेगी। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले मराठी भाषा को शास्त्रीय भाषा का दर्जा देने का निर्णय लिया है। यह प्रस्ताव एक दशक पुराना था और इसके साथ ही पाली, प्राकृत, असमिया और बंगाली को भी इस श्रेणी में शामिल किया गया है। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि यह निर्णय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में लिया गया। उन्होंने कहा कि शास्त्रीय भाषाएं भारत की सांस्कृतिक विरासत की संरक्षक होती हैं और वे किसी समुदाय के ऐतिहासिक विकास का परिचायक होती हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने मराठी को भारत का गौरव बताया और कहा कि इसे शास्त्रीय भाषा का दर्जा देना हमारे देश के इतिहास में इसके योगदान की मान्यता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह सम्मान अन्य लोगों को भी मराठी सीखने के लिए प्रेरित करेगा। इस निर्णय से मुख्य रूप से महाराष्ट्र, बिहार, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल और असम के लोग प्रभावित होंगे। लेकिन, इसका सांस्कृतिक और शैक्षणिक प्रभाव राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फैलेगा। शास्त्रीय भाषाओं की श्रेणी बनाने का निर्णय अक्टूबर 2004 में लिया गया था, जिसमें तमिल को पहली बार शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिया गया। इस श्रेणी में शामिल होने के लिए भाषाओं के शुरुआती ग्रंथों और उनके इतिहास की प्राचीनता का महत्व है। इसके बाद, संस्कृत को भी 2005 में शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिया गया और धीरे-धीरे तेलुगु, कन्नड़, मलयालम और ओडिया को भी इसमें शामिल किया गया। 2013 में महाराष्ट्र सरकार ने मराठी को शास्त्रीय भाषा का दर्जा देने का प्रस्ताव भेजा था, जिसे एक विशेषज्ञ समिति ने देखा।

हालांकि, 2017 में गृह मंत्रालय ने इस प्रस्ताव पर सख्ती से विचार करने की सलाह दी। इस बीच, अन्य भाषाओं के लिए भी ऐसे ही प्रस्ताव प्राप्त हुए। अंततः, गुरुवार को मराठी के साथ चार अन्य भाषाओं को शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिया गया। इस निर्णय के बाद, शिक्षा मंत्रालय शास्त्रीय भाषाओं के अध्ययन को बढ़ावा देने के लिए कदम उठाएगा। संसद के एक अधिनियम के माध्यम से 2020 में संस्कृत के अध्ययन के लिए तीन केंद्रीय विश्वविद्यालयों की स्थापना की गई थी। इसके साथ ही, प्राचीन तमिल ग्रंथों के अनुवाद की सुविधा के लिए केंद्रीय शास्त्रीय तमिल संस्थान की स्थापना की गई है। कुल मिलाकर, यह निर्णय भारतीय भाषाओं के प्रति सम्मान को दर्शाता है और शास्त्रीय भाषाओं के अध्ययन और संरक्षण को बढ़ावा देने का एक महत्वपूर्ण कदम है। यह आने वाले समय में छात्रों और शोधकर्ताओं के लिए नए अवसर पैदा करेगा और भारतीय संस्कृति की समृद्धि में योगदान देगा।

नमाज के लिए मस्जिद नहीं जा सकी बांग्लादेश टीम, ग्वालियर में होटल में की इबादत

ग्वालियर। ग्वालियर में बांग्लादेश की क्रिकेट टीम और स्टॉफ जुमे की नमाज के लिए मस्जिद नहीं पहुंच सका। सुरक्षा कारणों के चलते ये कार्यक्रम रद्द करना पड़ा। जिसके बाद होटल में ही नमाज अदा कराई गई।

दरअसल, बांग्लादेशी खिलाड़ियों और स्टाफ ने शुक्रवार को जुमा की नमाज अदा करने के लिए कहा था। जिसके बाद दोपहर करीब डेढ़ बजे टीम को ग्वालियर के फूलबाग स्थित मोती मस्जिद ले जाने का प्लान था, लेकिन सुरक्षा कारणों से आखिरी समय पर ये कार्यक्रम रद्द हो गया। बताया जा रहा है कि इसके बाद शहर काजी ने होटल में ही बांग्लादेश की टीम को नमाज अदा कराई।

बता दें कि 6 अक्टूबर को ग्वालियर के माधवराव सिंधिया स्टेडियम में भारत और बांग्लादेश क्रिकेट टीम के बीच टी-20 मैच खेला जाना है। इसके लिए दोनों टीमें ग्वालियर पहुंच चुकी हैं। शुक्रवार को शाम 5 बजे से रात 8 बजे तक बांग्लादेश की टीम का प्रैक्टिस सेशन है।

हिंदू संगठन कर रहे बांग्लादेश से मैच का विरोध

बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन के बाद वहां रह रहे हिंदुओं पर अत्याचार और हिंदू मंदिरों को नुकसान पहुंचाने की खबरें आ रही हैं। जिसे लेकर भारत में लोगों में आक्रोश है। ग्वालियर में भी हिंदू संगठन नाराज है। इसलिए हिंदू संगठन मैच का विरोध कर रहे हैं। जिसके बाद बांग्लादेश की टीम को कड़ी सुरक्षा में रखा गया है। मैच में चार हजार जवान और अफसरों को तैनात किया जाएगा।

होटल रेडिसन में ठहरी है बांग्लादेश की टीम

बांग्लादेश की टीम सिटी सेंटर स्थित होटल रेडिसन में ठहरी है। यहां किसी को आने-जाने की इजाजत नहीं है। होटल के कर्मचारियों को भी स्पेशल पास दिए गए हैं। प्रैक्टिस पर आने-जाने के दौरान भी बांग्लादेश खिलाड़ियों की बस के आगे पीछे कड़ी सुरक्षा दी गई है। होटल के दोनों ओर अस्थायी बैरियर बनाकर रास्ते को बंद कर दिया है। मुख्य गेट पर भी बैरिकेड्स लगाए गए हैं। यहां से अंदर के गेट पर हर दस कदम पर एक पुलिस जवान तैनात है। होटल के आसपास 200 से ज्यादा जवान 24 घंटे तैनात हैं। होटल में बिना पास के कोई प्रवेश नहीं कर सकता। यहां तक की बांग्लादेश टीम के लिए खाना बनाने वाले होटल को हेड शेफ को भी किसी से बात करने की इजाजत नहीं है।

एयरपोर्ट पर बैक डोर से निकाली बांग्लादेश की टीम

ग्वालियर में बुधवार दोपहर भारतीय टीम व बांग्लादेश के प्लेयर एक साथ ग्वालियर पहुंचे थे। हिंदू संगठन के विरोध को देखते हुए पुलिस ने बैक डोर से बांग्लादेश की टीम को निकालकर वोल्वो बस में बैठाकर कड़ी सुरक्षा में होटल तक पहुंचाया था।

हार्दिक पांड्या से नाखुश हैं कोच मोर्कल

नई दिल्ली। भारत और बांग्लादेश के बीच तीन मैचों की टी20 सीरीज की शुरुआत छह अक्तूबर से हो रही है। पहला मैच ग्वालियर में खेला जाएगा। इस मैच को लेकर टीम इंडिया जमकर मेहनत कर रही है। बीसीसीआई ने एक वीडियो पोस्ट किया है। इस वीडियो में भारत की पेस बैटरी प्रैक्टिस सेशन के दौरान नेट्स में अपनी पूरी क्षमता से गेंदबाजी करती दिख रही है। वहीं, नए बॉलिंग कोच मोर्ने मोर्कल गेंदबाजों से बात करते दिख रहे हैं। मोर्कल के सामने बांग्लादेश सीरीज से पहले काफी चुनौतियां हैं।

प्रैक्टिस सेशन में ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने भी गेंदबाजी का अभ्यास किया। हालांकि, मोर्कल हार्दिक के गेंदबाजी के प्रति रवैये से नाखुश दिखे और दोनों ने इसमें सुधार को लेकर लंबी चर्चा की। एक रिपोर्ट के मुताबिक, हार्दिक स्टंप्स के काफी करीब से गेंदबाजी कर रहे थे और मोर्कल इससे खुश नहीं थे। एक रिपोर्ट के मुताबिक, ग्वालियर में नेट्स सेशन के दौरान मोर्कल पांड्या के रन-अप पर काम कर रहे थे।

शमी को लेकर फिर बवाल, पत्नी ने लगाया आरोप

नई दिल्ली। टीम इंडिया के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने हाल ही में बेटी आयरा से मुलाकात की थी. वे बेटी से मिलने के बाद काफी भावुक हो गए थे. शमी ने इसका वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर किया था. लेकिन अब उनकी पत्नी हसीन जहां ने गंभीर आरोप लगा दिए हैं. हसीन जहां ने कहा है कि यह सब दिखावा है. उनकी बेटी का पासपोर्ट एक्सपायर हो गया है. शमी ने एक डॉक्यूमेंट पर साइन नहीं किए।

शमी और उनकी बेटी आयरा काफी वक्त से नहीं मिले थे. लेकिन शमी मिलने के बाद खुद को रोक नहीं पाए और इमोशनल हो गए. हालांकि उनकी पत्नी ने इस मुलाकात को लेकर भी गंभीर आरोप लगा दिया. रिपोर्ट्स के मुताबिक हसीन जहां ने कहा, %वे अपनी बेटी के बारे में कुछ भी नहीं पूछते हैं. खुद में ही व्यस्त रहते हैं. आयरा को गिटार और कैमरे की जरूरत थी. लेकिन शमी ने उन्हें नहीं दिलाया. आयरा का पासपोर्ट एक्सपायर हो गया है. वह डॉक्यूमेंट पर साइन करवाने गई थी. लेकिन शमी ने साइन नहीं किए।

शमी ने आयरा से मिलने के बाद शॉपिंग भी करवाई थी. वे जूते और कपड़े खरीदते दिखे थे. शमी ने इसका वीडियो अपने ऑफीशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर किया है. हालांकि उनकी पत्नी हसीन जहां इन सब बातों से बिल्कुल भी खुश नजर नहीं आयीं.

अफगानी स्पिनर राशिद खान ने शादी की, 3 अन्य भाई भी बंधन में बंधे

काबुल। अफगानिस्तान के दिग्गज स्पिनर राशिद खान ने शादी कर ली है। 26 साल के राशिद और उनके 3 भाई जकीउल्लाह, नुमान और नसीम खान ने निकाह कबूल किया। शुक्रवार को सोशल मीडिया में राशिद की शादी की फोटो और वीडियो अपलोड हुई। हालांकि, इनमें राशिद की पत्नी की तस्वीर नहीं है। काबुल के इंपीरियल कॉन्टिनेंटल होटल में आयोजित शादी समारोह में मोहम्मद नबी के साथ कई अफगानिस्तानी क्रिकेटर शामिल हुए। इनमें अजमतुल्लाह उमरजई, नजीबुल्लाह जादरान, रहमत शाह और मुजीब उर रहमान शामिल रहे।

कहा था- वर्ल्ड कप जीतने के बाद शादी करेंगे

राशिद कुछ महीने पहले एक इंटरव्यू में कहा था कि अफगानिस्तान के लिए वर्ल्ड कप जीतने के बाद ही शादी करेंगे, लेकिन अब सभी को चौंकाते हुए उन्होंने शादी कर ली।

साउथ अफ्रीका के खिलाफ 7 विकेट झटके

राशिद खान ने पिछले हफ्ते 20 सितंबर को साउथ अफ्रीका के खिलाफ दूसरे वनडे मुकाबले में 19 रन देकर 5 विकेट झटके थे। अफगानिस्तान ने 3 मैचों की सीरीज को 2-1 से जीता था।

राशिद खान का इंटरनेशनल करियर

राशिद खान ने 105 वनडे के साथ ही अफगानिस्तान के लिए 5 टेस्ट और 93 टी20 मैच खेले हैं। इसमें उनके नाम 376 विकेट हैं। वह बल्ले से करीब दो हजार रन भी बना चुके हैं।

ईरानी कप का चौथा दिन, रेस्ट ऑफ इंडिया 416 पर ऑलआउट

नई दिल्ली। ईरानी ट्राफी का चौथा दिन स्पिनर्स के नाम रहा है। इस दौरान पूरे दिन में स्पिनर्स ने 11 विकेट लिए। सिर्फ एक विकेट यश दयाल रन आउट हुए। पहले तीन दिन का मैच बल्लेबाजों और पेसर्स के नाम रहा था।

मैच के चौथे दिन रेस्ट ऑफ इंडिया ने पहली पारी में 4 विकेट के नुकसान पर 289 रनों से आगे खेलना शुरू किया। इस दौरान पूरी टीम 10 ओवर में 416 रनों पर ऑलआउट हो गई। तनुष कोटियान और शम्स मुलानी ने 3-3 विकेट और मोहित अवस्थी को 2 विकेट मिला। जबकि मोहम्मद जुनैद को एक विकेट मिला।

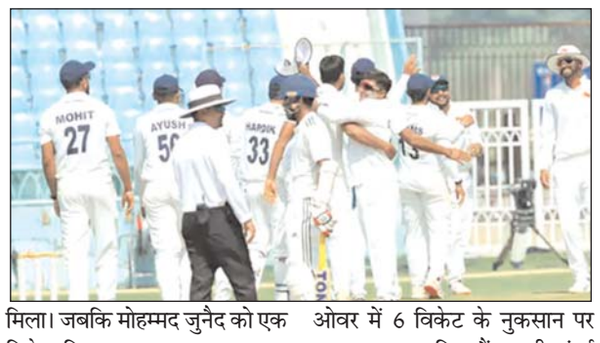

पहली पारी में रेस्ट ऑफ इंडिया के आउट होने पर मुंबई को 121 रनों की बढ़त मिली। चौथे दिन का खेल खत्म होने तक मुंबई की टीम ने 40 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 153 रन बना लिए हैं। अभी मुंबई की टीम ने रेस्ट ऑफ इंडिया पर 274 रनों की बढ़त ले ली है। कल भी सुबह 9:30 बजे से मैच शुरू होगा। मुंबई की टीम ने पहली पारी में 537 रन बनाए थे।

यह तस्वीर ईरानी ट्रॉफी के मैच की है

अभिमन्यू ईश्वरन ने 191 रन की पारी खेली

ध्रुव जुरैल के रेस्ट ऑफ इंडिया के 393 रन पर आउट होने के बाद पूरी टीम ने सिर्फ 23 रन बनाने में छह विकेट गंवा दिए। 121 बाल पर 93 रन बनाकर खेल रहे जुरैल शम्स मुलानी की गेंद पर कैच आउट हुए और सेंचुरी नहीं पूरी कर सके। इसके बाद अभिमन्यू ईश्वरन भी 396 रन के स्कोर पर शम्स मुलानी की गेंद पर आउट हुए।

व्यापार

सेंसेक्स-निफ्टी लगातार पांचवें दिन भारी गिरावट के साथ हुआ बंद, निवेशकों के 17 लाख करोड़ रुपये बर्बाद!

नई दिल्ली। हफ्ते के आखिरी ट्रेडिंग सेशन और लगातार पांचवें दिन भारतीय शेयर बाजार औंधे मुंह गिरकर भारी गिरावट के साथ बंद हुआ है. पूरे दिन बाजार में भारी उठापटक देखने को मिली है. सुबह बाजार गिरावट के साथ खुला लेकिन दिन में सेंसेक्स 870 और निफ्टी में 235 अंकों की तेजी आ गई. लेकिन कारोबार खत्म होने से पहले बाजार में फिर से तेज मुनाफावसूली लौटी और सेंसेक्स दिन के हाई से 1835 और निफ्टी 520 अंक तक नीचे जा लुढ़का. एफएमसीजी, बैंकिंग और एनर्जी स्टॉक्स में बिकवाली के चलते बाजार में ये गिरावट आई है. कारोबार खत्म होने पर सेंसेक्स 808 अंकों की गिरावट के साथ 81,688 और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 200 अंकों की गिरावट के साथ 25049 अंकों पर क्लोज हुआ है।

निवेशकों को 3.70 लाख करोड़ रुपये का नुकसान

बाजार में बिकवाली के चलते आज भी निवेशकों को भारी नुकसान का सामना करना पड़ा है. बीएसई पर लिस्टेड स्टॉक्स का मार्केट कैप 461.05 लाख करोड़ रुपये पर गिरकर क्लोज हुआ है जो पिछले सत्र में 465.05 लाख करोड़ रुपये पर क्लोज हुआ था. यानि आज के सेशन में निवेशकों को 3.70 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है. इस हफ्ते भारतीय शेयर बाजार के मार्केट कैप में 17 लाख करोड़ रुपये की गिरावट आई है।

चढ़ने-गिरने वाले शेयर्स

बीएसई पर कुल ट्रेड हुए 4054 शेयरों में 1532 शेयर तेजी के साथ और 2386 शेयर गिरकर बंद हुए. सेंसेक्स के 30 शेयरों में 8 तेजी के साथ जबकि 22 गिरकर बंद हुए. निफ्टी के 50 शेयरों में 13 तेजी के साथ और 37 गिरावट के साथ बंद हुए. तेजी वाले शेयरों में इंफोसिस 1.33 फीसदी, टेक महिंद्रा 0.83 फीसदी,

टाटा मोटर्स 0.51 फीसदी, एक्सिस बैंक 0.50 फीसदी, टीसीएस 0.42 फीसदी, एसबीआई 0.28 फीसदी, एचसीएल टेक 0.27 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ है. गिरने वाले शेयरों में महिंद्रा एंड महिंद्रा 3.58 फीसदी, बजाज फाइनेंस 3.01 फीसदी, नेस्ले 2.85 फीसदी, एशियन पेंट्स 2.49 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है।

सेक्टरोल अपडेट

आज के कारोबार में आईटी स्टॉक्स को छोड़कर दूसरे सभी सेक्टर्स के शेयर में गिरावट देखने को मिली है. बैंकिंग, ऑटो, एफएमसीजी, फार्मा, मेटल्स, एनर्जी, हेल्थकेयर, मीडिया, रियेल एस्टेट, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सेक्टर के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए. मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में आज भी गिरावट देखने को मिली है.

5 वर्षों में 2730 से बढ़कर 4730 डॉलर हो जाएगा प्रति व्यक्ति आय - वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि भारत को 2730 डॉलर प्रति व्यक्ति आय हासिल करने में आजादी के बाद 75 साल लग गए. लेकिन इंटरनेशनल मॉनिटरी फंड की मानें तो अगले 5 वर्षों में प्रति व्यक्ति आय में 2000 डॉलर की बढ़ोतरी देखने को मिलेगी. उन्होंने कहा, आने वाले दशकों में आम आदमी के रहन-सहन में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा को कि भारतीयों के जीवन को नए सिरे से परिभाषित करेगा. वित्त मंत्री ने कहा, असमानता में कमी के साथ इस उपलब्धि को हासिल किया जा रहा है।

प्रति व्यक्ति आय में जोरदार उछाल संभव

कौटिल्य इकोनॉमिक कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा, पिछले एक दशक में आर्थिक मोर्चे पर भारत का शानदार प्रदर्शन, 5 वर्षों में दुनिया की 10वीं से 5वीं बड़ी अर्थव्यवस्था तक की छलांग, लगातार हासिल किया गया हाई ग्रोथ रेट और महंगाई को कम रखने के चलते संभव हो पाया है. वित्त मंत्री ने कहा, भारत को 2730 डॉलर प्रति व्यक्ति आय हासिल करने में 75 साल लगे हैं कि लेकिन अगले 5 वर्षों में इसमें 2000 डॉलर और जोड़ा जा सकेगा. वित्त मंत्री ने कहा, पूरी दुनिया जब बंटी हुई है

जहां लगातार संघर्ष देखने को मिल रहा है जो वैश्विक शांति के लिए बड़ा खतरा है इसके बावजूद भारत अपने 140 करोड़ की बड़ी आबादी जो कि दुनिया की कुल आबादी का 18 फीसदी है उसके प्रति व्यक्ति आय को अगले कुछ वर्षों में डबल करना चाहता है।

भारत के सामने कई चुनौतियां

वित्त मंत्री ने कहा, 2000 के दशक में चीन जैसे इमर्जिंग मार्केट्स, ग्लोबल ट्रेड और इंवेस्टमेंट क्लाइमेट के अपने पक्ष में होने के चलते आसानी के साथ तेजी से विकास कर पाए. लेकिन ये भारत के लिए ये करना बड़ी चुनौती है तो ये एक अवसर भी लेकर आया है. उन्होंने कहा, वैश्विक हालात वैसे नहीं है जो पहले थे इसके बावजूद अगले दशक में भारत तेजी के साथ विकास करता रहेगा।

खपत में आएगी उछाल

निर्मला सीतारमण ने कहा, आने वाले दशक में भारत में खपत में जोरदार इजाफा देखने को मिलेगा. मौजूदा समय में 43 फीसदी भारतीय 24 साल से कम आयु के हैं और उन्हें अपने खपत के तौर तरीकों को एक्सप्लोर करना अभी बाकी है।

भारत में सेवा क्षेत्र का विस्तार नवंबर 2023 के बाद सबसे धीमा, पीएमआई के आंकड़े जारी

नई दिल्ली। भारत में सेवा क्षेत्र का विस्तार सितंबर में नवंबर 2023 के बाद सबसे धीमी गति से हुआ। एचएसबीसी इंडिया सर्विसेज पीएमआई सर्वे ने इसकी पुष्टि की है। ये आंकड़े नए कारोबार और वैश्विक स्तर पर बिक्री व आउटपुट पर आधारित हैं। सितंबर में पीएमआई इंडेक्स का आंकड़ा अगस्त के 60.9 की तुलना में कम होकर 57.7 रहा। हालांकि, यह इंडेक्स के न्यूट्रल मार्क 50.0 के ऊपर सफल रहा।

एचएसबीसी इंडिया सर्विसेज पीएमआई ने शुक्रवार को दिखाया कि नए व्यवसाय, अंतर्राष्ट्रीय बिक्री और उत्पादन के मामले में भारत में सेवा क्षेत्र की वृद्धि नवंबर 2023 के बाद सबसे धीमी दरों पर बढ़ी। एसएंडपी ग्लोबल की ओर से संकलित एचएसबीसी इंडिया सर्विसेज पीएमआई सर्वेक्षण के अनुसार सितंबर में सूचकांक मूल्य 50.0 के तटस्थ निशान से ऊपर रहा। अगस्त के 60.9 से गिरकर 57.7 पर आने वाले हेडलाइन आंकड़े ने विस्तार की एक नरम, हालांकि अब भी ऐतिहासिक रूप से मजबूत दर का संकेत दिया।

पीएमआई सूचकांक को 0 और 100 के बीच मापा जाता है। जिसमें 50 से ऊपर का आंकड़ा विस्तार जबकि 50 से नीचे का आंकड़ा क्षेत्र में संकुचन को दर्शाता है। सितंबर महीने में सेवा क्षेत्र की वृद्धि में नरमी आने का एक कारण निर्यात के नए ऑर्डरों में कमी आना रहा। 2024 में विस्तार की दर अब तक सबसे कमजोर रही है। फिर भी, कुछ फर्मों ने एशिया, यूरोप, उत्तरी अमेरिका, मध्य पूर्व और अमेरिका से लाभ हासिल किया। सर्वे के अनुसार, सेवा कंपनियों के मार्जिन में और कमी आने की संभावना है, क्योंकि महंगाई बढ़ने से कीमतें भी धीमी गति से बढ़ी हैं।

डिफ्यूजन इंजीनियर्स का शेयर 15.17 प्रतिशत ऊपर 193 पर लिस्ट, इश्यू प्राइस 168 था

नई दिल्ली। डिफ्यूजन इंजीनियर्स लिमिटेड का शेयर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर इश्यू प्राइस से 15.17 प्रतिशत ऊपर 193 पर लिस्ट हुआ। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर शेयर इश्यू प्राइस से 11.90 प्रतिशत ऊपर 188 पर लिस्ट हुआ। इस इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग का इश्यू प्राइस 168 था। यह आईपीओ 26 सितंबर से 30 सितंबर तक निवेशकों के लिए ओपन था। तीन कारोबारी दिनों में आईपीओ टोटल 114.5 गुना सब्सक्राइब हुआ था। रिटेल कैटेगरी में 85.61 गुना, क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स में 95.74 गुना और नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स कैटगरी में 207.60 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

डिफ्यूजन इंजीनियर्स का ये इश्यू टोटल 158 करोड़ का था। इसके लिए कंपनी पूरे ?158 करोड़ के 9,405,000 फ्रेश शेयर इश्यू किए। कंपनी के मौजूदा निवेशक ऑफर फॉर सेल यानी ओएफएस के जरिए एक भी शेयर नहीं बेचे।

मैक्सिमम 845 शेयर के लिए बिडिंग कर सकते थे रिटेल निवेशक

डिफ्यूजन इंजीनियर्स लिमिटेड ने आईपीओ का प्राइस बैंड 159 से ?168 तय किया था। रिटेल निवेशक कम से कम एक लॉट यानी 88 शेयर्स के लिए बिडिंग कर सकते थे। यदि आप आईपीओ के अपर प्राइस बैंड 168 के हिसाब से 1 लॉट के लिए अप्लाय करते, तो इसके लिए 14,784 इन्वेस्ट करने होते।वहीं, रिटेल निवेशक मैक्सिमम 13 लॉट यानी 1144 शेयर्स के लिए अप्लाय कर सकते थे। इसके लिए निवेशकों को अपर प्राइज बैंड के हिसाब से 192,192 इन्वेस्ट करने होते।कंपनी ने इश्यू का 50 प्रतिशत हिस्सा क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स के लिए रिजर्व रखा था। इसके अलावा 35 प्रतिशत हिस्सा रिटेल इनवेस्टर्स और बाकी का 15 प्रतिशत हिस्सा नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व था।

सन नियो के स्टार्स ने मनाया नवरात्रि का जश्न: परिवार, परंपराएं और गरबा की धूम को लेकर की खुलकर बात!

नवरात्रि का उत्सव शुरू हो चुका है। ऐसे में रंग-बिरंगे कपड़े, गरबा की धुनें और माँ दुर्गा की पूजा यह सारा माहौल भक्तों को उत्साह से भर देता है। बुराई पर अच्छाई की जीत का जश्न मनाने वाला यह त्योहार करोड़ों लोगों के दिलों में खास जगह रखता है। इस साल, आपके पसंदीदा सन नियो शोज के कलाकार बताएंगे कि वे अपने व्यस्त शेड्यूल के बावजूद इस खुशहाल त्योहार को कैसे मनाएंगे।

'छठी मैया की बिटिया' शो में वैष्णवी का किरदार निभाने वाली बृंदा दहल अपने पहले नवरात्रि उत्सव का बेसब्री से इंतजार कर रही हैं। उन्होंने कहा, 'नवरात्रि अच्छाई की बुराई पर जीत का प्रतीक है, जैसे देवी दुर्गा ने महिषासुर का वध किया था। यह हमें याद दिलाता है कि धर्म हमेशा जीतता है और गलत हमेशा गलत ही रहेगा। मैं आसाम से हूं, जहाँ नवरात्रि इतनी धूमधाम से नहीं मनाई जाती, लेकिन इस साल मैं इसे पूरी तरह से अनुभव करने के लिए बहुत उत्साहित हूँ। खासकर इसलिए कि मैं अपने दोस्तों के साथ गरबा करने जाऊंगी! गरबा के लिए तैयार होने की पूरी प्रक्रिया, रंग-बिरंगे कपड़े और गहने पहनना, मुझे बहुत पसंद है। मैंने इस मौके के लिए खास खरीदारी भी की है और मैं इस उत्सव की रौनक में डूबने, नृत्य करने और सभी के साथ मिलकर जश्न मनाने का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं। इस साल की नवरात्रि मेरे लिए बहुत खास होगी!'

सिद्धि शर्मा, जो 'इश्क़ जबरिया' में गुल्की का किरदार निभा रही हैं, उन्होंने नवरात्रि की परंपराओं को संजोते हुए कहा, 'नवरात्रि के दौरान हमारे घर में हम माता रानी की स्थापना करते हैं और मैं दीवार पर उनकी तस्वीर बनाती हूं। अष्टमी के दिन हम कन्या पूजन करते हैं, जिसमें छोटी लड़कियों को बुलाकर उन्हें भोजन कराते हैं। मैं और मेरी बहन गरबा देखने भी जाते हैं। बचपन में, मैं गरबा खेलने में अच्छी नहीं थी, जबकि मेरी बहन बहुत अच्छी थी और हर नवरात्रि में पुरस्कार जीतती थी। मैं रोती थी क्योंकि उसे पुरस्कार मिलता था और मुझे नहीं, भले ही मैंने भाग नहीं लिया हो। लेकिन समय के साथ, मैंने उस सोच को छोड़ दिया और त्योहार का आनंद लेना शुरू कर दिया, इस पर ध्यान दिए कि मैं क्या कर रही हूं, बजाय इसके कि दूसरे क्या पा रहे हैं। अब जब हम गरबा के लिए जाते हैं, तो मैं इसे खुलकर एंजॉय करती हूं, खासकर आखिर में, जब हम मस्ती से नाचते हैं!'

'साझा सिंदूर' में फूली का किरदार निभाने वाली स्तुति विकंले ने नवरात्रि के महत्व पर अपने विचार साझा करते हुए कहा, 'नवरात्रि मेरे लिए खास है क्योंकि यह मुझे अपनी अंदर की सकारात्मक स्त्री ऊर्जा को महसूस कराता है। भले ही मैं अभी भी इन उत्सवों से पूरी तरह परिचित नहीं हूं, लेकिन मुझे कंजक पूजा में हिस्सा लेना बहुत अच्छा लगता है। इसमें छोटे बच्चों को एक साथ भोजन करते हुए उपहार लेकर खुश होते हुए देखना अच्छा लगता है। बचपन में दोस्तों के साथ कंजक पूजा के लिए बाहर जाना, छोटे-छोटे उपहार और पैसे इकट्ठा करने की बात आज भी मुझे याद है। आज के समय में, मैं मानती हूं कि नवरात्रि देवी की ऊर्जा को महसूस करने और महिला सशक्तिकरण को समझने का एक अच्छा अवसर है। अगर कभी मौका मिले, तो मैं राधा या पार्वती का किरदार निभाना चाहूंगी, क्योंकि वे शक्ति, भक्ति और अनुग्रह की प्रतीक हैं।' छठी मैया की बिटिया में वैष्णवी (बृंदा दहल द्वारा अभिनीत किरदार) की कहानी है, जो एक अनाथ है और छठी मैया (देवोलीना भट्टाचार्जी द्वारा अभिनीत किरदार) को अपनी मां मानती है। इश्क़ जबरिया गुल्की (सिद्धि शर्मा द्वारा अभिनीत किरदा) की कहानी है, जो एयर होस्टेस बनने की अपनी यात्रा पर निकली है। और साझा सिंदूर में फूली (स्तुति विकंले द्वारा अभिनीत किरदार) की कहानी है, जिसे उसकी शादी के दिन हुई दूल्हे की मौत के बाद अविवाहित विधवा करार कर दिया जाता है। इन तीनों शानदार धारावाहिकों का आनंद लें: 'छठी मैया की बिटिया' सोमवार से शनिवार, शाम 7 बजे, इश्क़ जबरिया 7:30 बजे, और साझा सिंदूर 8 बजे सिर्फ सन नियो पर!

वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम से भारत का ऐलान

2070 तक नेट जीरो एमिशन लक्ष्य को हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध

भारत की अर्थव्यवस्था विस्तार के लिए तैयार है, क्योंकि यह बढ़ती आबादी की जरूरतों और महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। अगले दो दशकों में ऊर्जा की मांग में भारी वृद्धि होगी। 2030 तक इसके 35त्न तक बढ़ने का अनुमान है। देश के विकास के साथ ट्रांसपोर्ट, सीमेंट, स्टील, कॉपर और एल्यूमीनियम जैसे मटेरियल्स की मांग में तेजी होगी, जो इन्फ्रास्ट्रक्चर और एनर्जी ट्रांजिशन को आगे बढ़ाएगा। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के सामने स्थिरता सुनिश्चित करते हुए इन बढ़ती मांगों को पूरा करने की चुनौती होगी।

पेरिस समझौते के तहत अपनी इंटरनेशनल क्लाइमेट प्रतिबद्धताओं में, भारत 2030 तक 500 गीगावाट (जीडब्ल्यू) गैर-जीवाश्म बिजली उत्पादन क्षमता के लक्ष्य की दिशा में काम कर रहा है। भारत की नवीन और रिन्यूएबल एनर्जी मिनिस्ट्री के मुताबिक, अगस्त 2024 तक एनर्जी, जिसमें 89 गीगावॉट सोलर और 47 गीगावॉट विंड शामिल है। इसमें 152 गीगावॉट रिन्यूएबल एनर्जी इकोसिस्टम स्थापित किया गया है। यह भारत के क्लीन एनर्जी टारगेट को हासिल करने में एक बड़ा कदम है।

भविष्य में भारत की शक्ति बनेगा ग्रीन हाइड्रोजन

ग्रीन हाइड्रोजन भारत के एनर्जी ट्रांजिशन और इंडस्ट्रियल चेंज की चुनौतियों से निपटने और 2070 तक नेट जीरो एमिशन के अपने लक्ष्य को हासिल करने में बड़ी भूमिका निभाएगा। रिन्यूएबल-संचालित वॉटर इलेक्ट्रोलिसिस के माध्यम से उत्पादित, ग्रीन हाइड्रोजन और इसके डेरिवेटिव एमिशन में कटौती के लिए महत्वपूर्ण होंगे। उदाहरण के लिए, ग्रीन स्टील प्रोडक्शन, कोयले जैसे ज्यादा सघन कार्बन तत्वों को बदलने के लिए ग्रीन हाइड्रोजन का उपयोग करता है, जिससे इसके कार्बन फुटप्रिंट में काफी कमी आती है। मेथनॉल का उत्पादन करने के लिए कम लागत वाले ग्रीन हाइड्रोजन को सीमेंट उत्पादन से प्राप्त कार्बन डाइऑक्साइड के साथ भी जोड़ा जा सकता है। यह पीवीसी निर्माण के लिए उपयोग किया जाने वाला एक महत्वपूर्ण कैमिकल है। लंबे समय तक चलने वाले उत्पादों में डाइऑक्साइड को शामिल करके, कार्बन को लंबे समय तक प्रभावी ढंग से दूर रखा जाता है। यह भारत के लिए एक बेहतरीन सॉल्यूशन है, जहां बड़े पैमाने पर कार्बन नेचरल स्टोरेज का अभाव है।

बढ़ती ऊर्जा जरुरतों को पूरा करने और एमिशन को कम करने के एक तरीके के रूप में ग्रीन हाइड्रोजन का इस्तेमाल करते हुए, भारत ने 2030 में अपना नेशनल ग्रीन हाइड्रोजन मिशन शुरू किया। इसका लक्ष्य 2030 तक सालाना 5 मिलियन मीट्रिक टन हरित हाइड्रोजन का उत्पादन करना है। हालांकि, भारत की क्षमता और भी ज्यादा है, इसे बावजूद कुछ अनुमान 2030 तक सालाना 10 मिलियन टन हरित हाइड्रोजन का उत्पादन करने की क्षमता का संकेत देते हैं।

यदि भारत को यह क्षमता हासिल करना है, तो प्रोडक्शन और मैनेजमेंट लागत को कम करना महत्वपूर्ण होगा। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम और बेन एंड कंपनी की एक हालिया रिपोर्ट में भारत में ग्रीन हाइड्रोजन को अपनाने में, तेजी लाने के लिए कई रणनीतियों का फ्रेमवर्क दिया गया है। इसमें रिन्यूएबल एनर्जी लागत को 0.02 डॉलर प्रति किलोवाट घंटे से कम करके उत्पादन लागत को 2 डॉलर प्रति किलोग्राम (/किग्रा) से कम करना और इलेक्ट्रोलाइज़र लागत में तेजी से कमी का समर्थन करना, साथ ही ग्रीन हाइड्रोजन को परिवर्तित करने, स्टोरेज और ट्रांसपोर्ट की लागत शामिल है।

यहीं पर हरित हाइड्रोजन औद्योगिक क्लस्टर मदद कर सकते हैं, विशेष रूप से प्रमुख बंदरगाहों के आसपास स्थित क्लस्टर। सह-स्थित कंपनियों और सार्वजनिक संस्थानों की ये भौगोलिक सांद्रता प्रौद्योगिकियों को बढ़ाने, संसाधनों को साझा करने और ऊर्जा मांग को अनुकूलित करने के लिए एक रणनीतिक मंच प्रदान करती है। उत्पादन को केंद्रित करके और इसे सीमेंट, स्टील और उर्वरक जैसे उच्च उत्सर्जन उद्योगों के साथ एकीकृत करके, औद्योगिक क्लस्टर डीकार्बनाइजेशन का समर्थन करते हैं और हरित अमोनिया जैसे हरित हाइड्रोजन डेरिवेटिव के व्यापार और निर्यात को सक्षम करते हैं। वे औद्योगिक उत्सर्जन के प्रबंधन और राष्ट्रीय ऊर्जा सुरक्षा को बढ़ाने के लिए आवश्यक हैं।

आलिया भट्ट और शर्वरी की अल्फा, यशराज फिल्म्स की पहली महिला स्पाई फिल्म, 25 दिसंबर 2025 को होगी रिलीज!

मुंबई। यशराज फिल्म्स ने घोषणा की है कि उनकी बहुप्रतीक्षित एक्शन एंटरटेनर अल्फा, जो YRF स्पाई यूनिवर्स की पहली महिला प्रधान फिल्म है, 25 दिसंबर, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म का निर्माण आदित्य चोपड़ा कर रहे हैं। बॉलीवुड सुपरस्टार आलिया भट्ट फिल्म में मुख्य भूमिका निभाते नजर आएंगी, और उनके साथ उभरती हुई अभिनेत्री और YRF की होमग्रोन टैलेंट शर्वरी होंगी। दोनों इस

बहुप्रतीक्षित स्पाईवर्स फिल्म में सुपर एजेंट की भूमिका में दिखाई देंगी, जिसे शिव रवैल निर्देशित कर रहे हैं।

अल्फा एकदम सही छुट्टियों का मनोरंजन बनने जा रही है, क्योंकि आदित्य चोपड़ा इस फिल्म को बड़े परदे का भव्य अनुभव बनाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। इस फिल्म में शानदार दृश्य और रोमांचक एक्शन सीक्वेंस के साथ साथ कई अप्रत्याशित ट्विस्ट भी देखने को मिलेंगे।

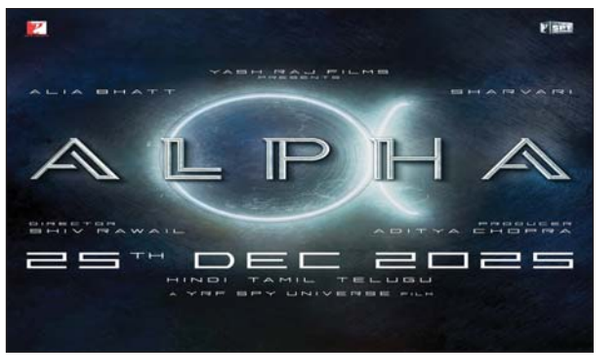

एंटरटेनमेंट की एक रोमांचक रात के लिए हो जाइए तैयार, क्योंकि आज रात 8 बजे ज़ी सिनेमा पर हो रहा है 'काकुदा' का वर्ल्ड टेलीविज़न प्रीमियर

मुंबई। हिट फिल्म 'मुंज्या' के निर्देशक ने हॉरर और कॉमेडी की एक और मनोरंजक कहानी पेश की है, जिसका नाम है 'काकुदा'। ज़ी सिनेमा पर सोनाक्षी सिन्हा, रितेश देशमुख और साकिब सलीम अभिनीत 'काकुदा' का वर्ल्ड टेलीविज़न प्रीमियर होने जा रहा है। एक दिलचस्प लोककथा पर आधारित यह फिल्म शनिवार, 5 अक्टूबर को रात 8 बजे प्रसारित की जाएगी। यह हॉरर कॉमेडी अपनी रोमांचक कहानी, जोरदार परफॉर्मेंस और शानदार दृश्यों के साथ दर्शकों को अपनी सीट से बांधे रखने का वादा करती है। आदित्य सरपोतदार के निर्देशन और रोनी स्क्रूवाला के निर्माण में बनी फिल्म 'काकुदा'अपनी तरह की एक बेहद अनोखी कहानी है, जिसमें कॉमेडी, ड्रामा और हॉरर का जबर्दस्त तड़का लगाया गया है। रितेश देशमुख, सोनाक्षी सिन्हा और साकिब सलीम इस कहानी में एक नया जोश जगाते हैं, जिन्होंने अपने-अपने किरदारों को कुछ इस तरह निभाया कि वे दर्शकों के दिलों में गहरे उतर गए। रितेश की बेमिसाल कॉमिक टाइमिंग, सोनाक्षी की दमदार स्क्रीन प्रेजेंस और साकिब का शानदार आकर्षण; ये तिकड़ी जितनी मनोरंजक है, उतनी ही विश्वनीय भी है। इस समय भारत में हॉरर कॉमेडी तेजी से लोकप्रिय हो रही हैं, खासकर गांव और कस्बों की पृष्ठभूमि वाली फिल्में, जिनमें लोककथाएं और स्थानीय किंवदंतियां शामिल हैं। 'काकुदा' हमारी सांस्कृति की इसी नब्ज़ को छूती है, जिसमें डर को रोजमर्रा के हास्य के साथ मिलाया गया है, जो एक हल्का-फुल्का और रोमांचक अनुभव देती है।

सोनाक्षी सिन्हा ने अपना उत्साह साझा करते हुए कहा, 'काकुदा मेरे पहले के किसी भी काम से बहुत अलग है। मुझे याद है आदित्य ने कहा था, 'मैं आपको दिखाता हूं कि मैंने क्या बनाया है और यह कैसा दिख रहा है।' जब मैंने इसे देखा, तो मैं दंग रह गई! एक सोनाक्षी से बेहतर और क्या हो सकता है? दो! यह बड़ा सुखद आश्चर्य था। यह पूरा अनुभव मेरे लिए बड़ा मज़ेदार और तरोताज़ा करने वाला था, और मैंने वाकई इसके हर पल का मज़ा लिया। मुझे उस पल का बेसब्री से इंतजार है जब सभी इस रोमांच का अनुभव करेंगे!'

साकिब सलीम ने कहा, 'मैंने इससे पहले कभी हॉरर कॉमेडी फिल्म में काम नहीं किया था। ऐसे में रतोड़ी गांव के एक भोले-भाले इंसान का किरदार निभाना एक शानदार अनुभव था! अपनी सामान्य भूमिकाओं से हटकर पड़ोस के एक हैंडसम लड़के और फिटनेस प्रेमी का रोल निभाकर मुझे बड़ा तरोताज़ा महसूस हुआ। इस फिल्म ने मुझे एक बिल्कुल अलग किरदार अपनाने और कुछ नया करने का मौका दिया। अपने बदलाव के लिए यह एकदम सही जॉनर है, और मैं वाकई बेहद उत्साहित हूं!'

रतोड़ी के एक विचित्र कस्बे में, एक रहस्यमय भूत पुरुषों को परेशान करता है। अगर गांव के पुरुष हर मंगलवार शाम 7:15 बजे अपने घरों में बनाया गया एक छोटा दरवाजा खुला नहीं छोड़ते हैं, तो वो भूत उन्हें कुबड़ा होने का श्राप देता है और 13 दिन बाद उस पुरुष की मौत हो जाती है। कहानी में सोनाक्षी सिन्हा, रितेश देशमुख और साकिब सलीम को एक ऐसे भूत का सामना करना होगा जो बदले की आग में जल रहा है और अंधविश्वास, परंपरा और प्रेम को लेकर उन तीनों की सोच को चुनौती देता है। क्या वे इस श्राप को खत्म कर पाएंगे और अपनी ज़िंदगी दोबारा जी पाएंगे? या फिर वे हमेशा के लिए एक भयानक मुश्किल में फंस जाएंगे? देखना ना भूलें, 'काकुदा' का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर, इस शनिवार, 05 अक्टूबर को रात 8 बजे ज़ी सिनेमा पर।

आधुनिक स्पर्श और त्यौहार की भावना का शानदार मिश्रण है एचएंडएम का नया फेस्टिव कलेक्शन

भोपाल। त्यौहारों को विशेष बनाते हुए, एचएंडएम ने पुरुषों, महिलाओं और बच्चों के लिए एक शानदार फेस्टिव कलेक्शन पेश किया है। त्यौहार की भावना और आकर्षण को बढ़ाने वाले इस बेमिसाल कलेक्शन में स्टाइलिश महिलाओं के लिए एक से बढ़कर एक ओकेशन वियर और पुरुषों के लिए स्पेशल वियर की शानदार रेंज शामिल है। इस सम्पूर्ण कलेक्शन को त्यौहार को जीवंत बनाने, भीड़ से अलग दिखने और आत्मविश्वास बढ़ाने के उद्देश्य से डिज़ाइन किया गया है।

एचएंडएम की कॉन्सेप्ट डिज़ाइनर इलियाना मसगालोस कहती हैं, 'हमारा दृष्टिकोण फेस्टिव सीज़न के लिए कुछ रोमांचक और विशिष्ट बनाना है, ताकि अपने ग्राहकों को एक ऐसा कलेक्शन पेश कर सकें, जो न सिर्फ स्टाइलिश और आधुनिक हो, बल्कि प्रत्येक ग्राहक के व्यक्तित्व को सबसे अलग ढंग से निखारने में भी मदद करे।'

महिलाओं के कलेक्शन में शो-स्टॉपिंग सिल्हूट्स विशेष आकर्षण जोड़ते हैं। इसमें गॉडेस-लाइक ड्रेसेस, स्कर्ट, ट्रांसपेरेंट ब्लाउज़ और पार्टियों के लिए उपयुक्त सेक्विन ड्रेसेस, बोल्ड और स्कलप्चरल ज्वेलरी शामिल हैं। फैब्रिक की अधिकतम मात्रा, ड्रेप्ड, नोटेड और आकर्षक कट्स इस कलेक्शन को त्यौहार के अनुकूल बनाते हुए इसमें जीवंत भावना जोड़ते हैं। वहीं, बोल्ड फ्लोरल प्रिंट और क्रीम, मेटालिक्स और गहरे लाल बेरी रंगों का चमकदार पैलेट इस कलेक्शन को और भी अधिक समृद्ध बना देता है।

वहीं दूसरी तरफ, मेन्सवियर कंटेम्परारी एलिगेंस के साथ हेरिटेज कोड्स और शिल्प कौशल का नायब मिश्रण पेश करता है। क्लासिक सार्टोरियल कट्स को लक्ज़री निटवेअर और प्लीटेड पैंट के साथ जोड़ा गया है। इसमें खूबसूरत बटन-डाउन जैकेट, ब्लेज़र और ओवरकोट शामिल हैं। ड्रैप और साटन की चमक वाले फैब्रिक्स इस कलेक्शन के न्यूट्रल टोन में जान डालने का काम करते हैं। इस कलेक्शन में टैक्टाइल टेक्सचर्स और फैब्रिक के साथ 'एचएंडएम होम' स्टाइल्स भी शामिल हैं। इन्हें खास तौर पर इस तरह डिज़ाइन किया गया है कि ये मॉडर्न फैशन से मेल खाने के साथ ही हमेशा सदाबहार बने रहें। इसमें राउंड शेप की बड़ी कैंडल्स, प्लश थ्रो, बुनाई वाली डिज़ाइन्स, फर वाले एवं सॉफ्ट कवर्स और सर्विंग प्लेटर्स शामिल हैं, जो कि सभी इस सीज़न को मनाने और यादगार बनाने के लिए उत्कृष्ट हैं।

सड़क का गड्ढे भरने (पैच वर्क) प्रारंभ, जिला स्तरीय समिति की बैठक में सदस्यों ने कलेक्टर हर्षल पंचोली से की थी मांग

अनूपपुर। विगत 30 सितंबर को कलेक्ट्रेट के सभागार में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक में अध्यक्षता कर रहे कलेक्टर हर्षल पंचोली से सदस्यों ने नगर के सड़कों के गड्ढो को शीघ्र भरे जाने की मांग की थी, उपरोक्त मांग पर कलेक्टर हर्षल पंचोली ने यह आश्वासन दिया था सदस्यों को उपरोक्त गड्ढे (पैच वर्क) दशहरा के पूर्व बना दिए जाएंगे, जिसका कार्य आज से सामतपुर शंकर मंदिर के सामने से प्रारंभ हो गया है, आगे जिला मुख्यालय की सभी सड़कों के गड्ढे को बना दिया जाएगा।

माँ शारदा कन्या विद्यापीठ पोडकी में गुड टच-बेड टच के बारे में भोपाल से पधारी एआईजी ने छात्राओं को दी जानकारी

(ब्यूरो राजेश शिवहरे)

अनूपपुर। ए.आई.जी. किरणलता केरकेट्टा महिला अपराध भोपाल की उपस्थिति मे एसडीओपी नवीन तिवारी पुष्पराजगढ़, थाना प्रभारी अमरकंटक, थाना प्रभारी राजेंद्रग्राम व एस.आई.दयावती मरावी की उपस्थिति मे माँ शारदा कन्या विद्यापीठ पोडकी की छात्राओं को गुड टच- बेड टच के संबंध मे जानकारी दिये।

किया ने ईव्ही9 और कार्निवल लेमोज़िन के लॉन्च के साथ पेश किया KIN 2.0 ट्रांसफॉर्मेशन

-KIN 2.0 में नई टेक्नोलॉजी, डिजाइन और सस्टेनेबिलिटी को एक साथ मिलाया गया है

- कंपनी ने ईव्ही9 और कार्निवल लेमोज़िन को क्रमशः 1,29,90,000/- और 63,90,000/-की शुरुआती कीमत पर लॉन्च किया

नई दिल्ली। मशहूर प्रीमियम कार निर्माता कंपनी किया ने एक बार फिर अपनी 2.0 ट्रांसफॉर्मेशन रणनीति के साथ भारत के ऑटोमोबाइल सेक्टर को नए अंदाज में पेश करने के लिए दूरदर्शी नजरिया अपनाया है। किया 2.0 कंपनी के वाहनों में डिज़ाइन और टेक्नोलॉजी को अपग्रेड करने पर फोकस किया गया है, जो भारत की ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री में एक नये बदलाव की शुरुआत करता है। कंपनी ने एकदम नई तकनीकों के साथ इस बदलाव को शुरू करने के लिए भारत में ईव्ही9 और कार्निवल लेमोज़िन को लॉन्च किया है। इस तरह, कंपनी ने इंडस्ट्री में बदलाव लाने वाली अपनी छवि को और निखारा है।

किया 2.0 में महत्वपूर्ण इनोवेशन किए गए हैं, जिसमें किया कनेक्ट 2.0 और एडवांस्ड व्हीकल टू एवरीथिंग (V2X) तकनीक शामिल है। किया कनेक्ट 2.0 का मतलब है कि किया का अपडेटेड कनेक्टेड कार प्लैटफ़ॉर्म कई नए इनोवेशन के दरवाज़े खोलता है। नया प्लैटफ़ॉर्म न केवल मैप के लिए बल्कि वाहन डायग्नोस्टिक के लिए भी कंट्रोलर OTA (ओवर द एयर) अपडेट सुविधा देता है।

अधिकाधिक यात्रियों को कंफर्म बर्थ उपलब्ध कराने हेतु दुर्ग-अम्बिकापुर-दुर्ग एक्सप्रेस में एक अतिरिक्त स्लीपर कोच की सुविधा

(ब्यूरो राजेश शिवहरे)

अनूपपुर/बिलासपुर। रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की बेहतर यात्रा सुविधा व अधिकाधिक यात्रियों को कंफर्म बर्थ उपलब्ध कराने हेतु गाड़ी संख्या 18241/18242 दुर्ग-अम्बिकापुर-दुर्ग एक्सप्रेस में एक अतिरिक्त स्लीपर कोच की सुविधा अस्थायी रूप से उपलब्ध कराई जा रही है। यह सुविधा दुर्ग से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 18241 दुर्ग-अम्बिकापुर एक्सप्रेस में 05 से 09 अक्टूबर 2024 तक एवं अम्बिकापुर से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 18242 अम्बिकापुर-दुर्ग एक्सप्रेस में 06 से 09 अक्टूबर 2024 तक उपलब्ध रहेगी। इस सुविधा की उपलब्धता से इस गाड़ी में यात्रा करने वाले अधिकाधिक यात्री लाभान्वित होंगे।

मानव मन का मंथन कर देती है कथा: विनयकांत त्रिपाठी

- कालका माता मंदिर में बताया भागवत कथा का महात्म, आकर्षण का केंद्र बनी बांके बिहारी की झांकी

ग्वालियर। कालका माता मंदिर, नायक साहब की बजरिया में आयोजित हो रही श्रीमद् भागवत कथा के दौरान शुक्रवार को आचार्य विनयकांत त्रिपाठी ने व्यास पीठ से कथा का महात्म बताते हुए कहा कि कथा के माध्यम से सच्चिदानंद प्रभु की प्राप्ति होती है, जो आनंद हमारे भीतर है उसे जीवन में किस प्रकार प्रकट करें, यही भागवत शास्त्र सिखाता है। जैसे दूध में मक्खन रहता है फिर भी वह दिखाई नहीं देता, लेकिन मंथन करने पर मिल जाता है। इसी प्रकार मानव मन को मंथन करके आनंद प्रकट करना है।

उन्होंने बताया कि धुंधकारी जैसा अनाचारी जो प्रेत यौनि में चला जाता है और भागवत शास्त्र के माध्यम से मुक्त होता है। आचार्य त्रिपाठी ने कहा कि भागवत शास्त्र आदर्श दिव्य ग्रन्थ है। घर में रहकर के भगवान को कैसे प्राप्त करें, इस शास्त्र में सिखाया गया है। ज्ञान और वैराग्य का महत्व बताते हुए उन्होंने कहा कि मनुष्य निजी स्वार्थ के कारण ही भक्ति और ज्ञान से दूर हो रहा है। उन्होंने कहा कि संतों और गुरु के साथ रहने से मनुष्य को ज्ञान मिलता है और मनुष्य भक्ति के मार्ग पर चलकर मोक्ष के मार्ग पर बढ़ता है। कथा में बांके बिहारी की झांकी आकर्षण का केंद्र रही। इस अवसर पर परीक्षत पद्मा श्याम सेन, महेश राठौर, सुधीर राठौर, विजय सिंह, संजीव राठौर, गिरीश साहू, धीरेंद्र चौबे, अशोक पाल, उमेश शर्मा, गिरीश शिवहरे, बंटू बाथम, आदित्य भार्गव, सोनू नामदेव, सुमित राठौर, विकास शर्मा, चेतन सेन, स्वतंत्र राठौर, मनीष राठौर, प्रवीण शर्मा, मोनू नामदेव, मोंटी राठौर, शैलेंद्र राठौर, नरेंद्र सिंह, सौरभ राठौर, उमेश तिवारी, अभिषेक राठौर, देवेश राठौर, शिवम शर्मा, शानू राठौर, विशाल शर्मा सहित सैकड़ों श्रद्धालु मौजूद रहे।

सेवा सप्ताह में पीस पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित

ग्वालियर। लायंस क्लब इंटरनेशनल के प्रांतीय कार्यक्रम सेवा सप्ताह 2024 'अनमोल खुशियां' रीजन श्याम 19 तहत आरकेबीएम स्कूल थाटीपुर में पीस पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में स्कूलों के 800 बच्चों ने 'पीस विदाउट लिमिट' थीम पर अपनी कल्पनाओं को ड्राइंग शीट पर उकेरा, जिसमें बच्चों की कल्पना शक्ति देखते ही बनती थी।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में स्वामी सुप्रदीप्तानंद जी महाराज प्रिंसिपल आरकेवीएम स्कूल, और रीजन चेयरपर्सन ला मीनाक्षी गोयल की अध्यक्षता में लायंस क्लब के पदाधिकारियों के साथ साथ पीडीजी एमजेएफला सुनील गोयल, सेवा सप्ताह चेयरपर्सन ला प्रमोद पहाड़िया सेवा सप्ताह की डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर ला राका पाठक, एक्टिविटी चेयरपर्सन आरसी ला रानी अग्रवाल आरसी लायन अनुपम तिवारी आरसी ला अजय चोपड़ा जॉन चेयरपर्सन ला मीरा जैन, जेड लायन हेमलता दुबे क्लब कोऑर्डिनेटर ला छाया अग्रवाल, सचिव लायन डॉ हरिओम कुमार सिंघल, लायन कमल बनवारी लायन प्रीति झा लायन मधु खंडूजा, प्रोजेक्ट चेयरपर्सन ला किरण सोनी, क्लब सचिव रन्नो पथरोलिया के साथ साथ क्लब के सभी सदस्यों ने भागीदारी निभाई मंच संचालन लायन कमर अग्रवाल ने किया एवं आर्यन की अध्यक्ष ला दीपाली सक्सेना ने पूरे कार्यक्रम को बहुत ही सुंदर एवं सुचारु ढंग से प्रस्तुत किया।

.... शेष पृष्ठ एक का

राहुल गांधी विदेश में जाकर कहते हैं हम आरक्षण समाप्त कर देंगे: केन्द्रीय मंत्री सिंधिया

50 मिनट में ग्वालियर से आगरा पहुँच जाएंगे

हाल ही में केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा स्वीकृत हुए योजना के बारे में बात करते हुए मंत्री सिंधिया ने कहा कि 'आज हमें आगरा से ग्वालियर पहुँचाने में 2.5 घंटे लगते हैं, जल्दी ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एवं केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के सहयोग से 4,613 करोड़ की लागत से बनने जा रहे आगरा-ग्वालियर सिक्स लेन सड़क का काम शुरू हो जाएगा। इस कॉरिडोर की मदद से मात्र 50 मिनट में आगरा से ग्वालियर पहुँच जाएंगे। उन्होंने पार्टी के सदस्यता अभियान की सफलता पर बोलते हुए कहा कि भिंड में 1 लाख 90 हजार सदस्य बने बने हैं। इस संख्या को दूसरे चरण में डबल करने का प्रयास करेंगे। इस दौरान कार्यक्रम में प्रदेश के नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला, भिंड- दतिया लोकसभा क्षेत्र से सांसद संध्या राय एवं बड़ी संख्या में पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

ग्रामीणों से कलेक्टर हुये रूबरू चौपाल लगाकर सुनीं समस्यायें

- राशन वितरण में गड़बड़ी पाये जाने पर राशन वितरण करने वाली सोसाइटी के खिलाफ होगी कार्यवाही

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। शासन की योजनाओं का लाभ ग्रामीणों को सीधे मिले, इस उद्देश्य से कलेक्टर अंकित अस्थाना शुक्रवार को मुरैना जनपद के ग्राम सांगौली और बिसैठा पहुंचे और ग्रामीणों से रूबरू होकर योजनाओं का लाभ मिलने की जानकारी प्राप्त की। वहीं उन्होंने चौपाल लगाकर प्रदेश सरकार की संचालित कल्याणकारी योजनायें, खाद्य की उपलब्धता, लाड़ली बहना, बरसात से हुये नुकसान के संबंध में विस्तार से पूछताछ की।

ग्राम बिसैठा में ग्रामीणों ने बताया कि शासकीय उचित मूल्य की दुकान सांगोली से केवल गेहूँ वितरण किया गया है। चावल और नमक समय पर नहीं दिया जा रहा है।इस पर कलेक्टर ने सोसाइटी के विरूद्ध नाराजगी व्यक्त की और बिसैठा सोसाइटी के खिलाफ सख्त कार्यवाही करनेएवं जांच करने के निर्देश फूड विभाग को दिये। वहीं ग्रामीणों ने बताया कि इस गांव में खाद प्राप्त नहीं हो रहा है और न ही सोसायटी पर पंजीयन हो रहें है। उन्होंने शीघ्र खाद उपलब्ध कराने के निर्देश कृषि विभाग के अधिकारियों को दिये। भ्रमण के समय जिला पंचायत सीईओ डॉ. इच्छित गढ़पाले, कार्यपालन यंत्री ईआरईएस श्री आर एस सुमन, जनपद सीईओ मुरैना महावीर जाटव सहित संबंधित ग्रामीण मैदानी कर्मचारी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने अलबेली हाट का किया शुभारंभ

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। जेसीआई मुरैना जागृति द्वारा जीवाजी गंज में स्थित टाउन हॉल में तीन दिवसीय अलबेली हाट का शुभारंभ आज मुरैना के जिलाधीश अंकित अस्थाना के कर कमलों द्वारा रिबन काटकर किया गया। कार्यक्रम में गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में जोन प्रेसिडेंट जेसी आनंद मिश्रा तथा मुख्य अतिथि के रूप में जोन सेक्रेटरी जेसी अमृता मैम उपस्थित रहीं।

सर्वप्रथम कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित करके किया गया और प्यारी-सी बच्ची के द्वारा गणेश वंदना भी प्रस्तुत की गई। कलेक्टर, जोन प्रेसिडेंट तथा जोन सेक्रेटरी और अन्य क्लबों से उपस्थित अतिथियों का फूल माला से स्वागत किया गया। इसके पश्चात प्रेसिडेंट लता गोयल ने अपना स्वागत भाषण दिया और अपने उद्बोधन में कहा कि, आज अलबेली हाट की ओपनिंग सेरेमनी में आप सभी अतिथियों ने उपस्थित होकर इस कार्यक्रम की गरिमा को बढ़ाया है। तत्पश्चात् अलबेली हाट की कन्वीनर जेसी भारती मोदी ने बताया कि अलबेली हाट विगत 12 वर्षों से महिलाओं के द्वारा महिलाओं के लिए किया गया आयोजन है, जो महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देता है और महिलाओं में एक आत्मविश्वास उत्पन्न करता है। कार्यक्रम के अंत में कलेक्टर ने अपनी उद्बोधन में इस आयोजन की प्रशंसा की, कि इस तरह के आयोजन हमारी संस्कृति के प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देते हैं और इकोनामिक रूप से भी लाभप्रद है और शहर का गौरव भी बढ़ाते हैं। ग्वालियर से आए जोन प्रेसिडेंट जेसी आनंद मिश्रा के शब्दों में अलबेली हाट जेसीआई के सभी चेप्टरों में एक बहुत ही महत्वपूर्ण आयोजन है, जो प्रतिवर्ष जेसीआई मुरैना जागृति द्वारा लगाया जाता है और आज इस आयोजन का हिस्सा बनकर मैं बहुत गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। अंत में सेक्रेटरी जेसी कंचन चावला ने अतिथियों तथा वहां उपस्थित सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया और कार्यक्रम में पधारे हुए कलेक्टर, जोन प्रेसिडेंट और जोन सेक्रेटरी को जेसीआई की पास्ट प्रेसिडेंट द्वारा स्मृति चिन्ह भी प्रदान किया गया। तीन दिन तक चलने वाली इस अलबेली हाट में सभी महिला विक्रेताओं द्वारा साड़ी, सूट, बेग्स, ज्वेलरी, बेड शीट्स, स्टेशनरी, सजावटी सामान, अचार आदि की दुकान लगाई गई हैं, जो 06 अक्टूबर तक रहेगी और 06 अक्टूबर को शाम 7:00 बजे लकी ड्रा भी निकाला जाएगा, जिसका सभी को बेसब्री से इंतजार रहता है। प्रतियोगिताओं की श्रृंखला में आज अलबेली हाट के प्रथम दिन मेहंदी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें प्रथम स्थान पर पूजा मित्तल, द्वितीय स्थान पर प्रेरणा वर्मा, तथा तृतीय स्थान पर वर्षा सिंघल रहीं। विजेता प्रतिभागियों को प्राइस भी वितरित किए गए और अगले दो दिन भी फैंसी ड्रेस, बेस्ट ऑफ़ वेस्ट तथा अन्य प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। तीन दिवसीय चलने वाली इस अलबेली हाट में आज के प्रथम दिन जेसीआई के सभी पदाधिकारी, पास्ट प्रेसिडेंट और सभी जेसीआई सदस्य उपस्थित रहे।

जिला स्तरीय संरचनात्मक व्यवस्था के लिये नोडल अधिकारी नियुक्त

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। मध्यप्रदेश शासन, कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग के निर्देशानुसार कलेक्टर अंकित अस्थाना ने पीएम विश्वकर्मा योजना के जिला स्तर पर योजना के क्रियान्वयन के लिये संरचनात्मक व्यवस्था हेतु नोडल अधिकारी नियुक्त किया है।

जिनमें जिला ग्रामोद्योग अधिकारी जिला पंचायत के.एन. गुप्ता को जिला नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। इसी प्रकार शासकीय औद्यौगिक प्रशिक्षण संस्थान मुरैना के जीएस सोलंकी को प्रशिक्षण नोडल नियुक्त किया है। अग्रणी जिला प्रबंधक लीड बैंक सेन्ट्रल बैंक ऑफइंडिया के एनके मंगल को बैंक ऋण नोडल नियुक्त किया है। नियुक्त नोडल अधिकारी जिला स्तर पर पीएम विश्वकर्मा योजना के प्रभावी क्रियान्वयन करना सुनिश्चित करेंगे।

कृषि मंत्री ऐदल सिंह के प्रयासों से कृषि उपज मंडी मुरैना में धान की खरीदी प्रारंभ

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। प्रदेश के किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री ऐदल सिंह कंषाना के अथक प्रयासों से 04 अक्टूबर से कृषि उपज मंडी मुरैना में धान की खरीदी प्रारंभ की गई है। संयुक्त संचालक आर.पी. चक्रवर्ती के मार्गदर्शन में कृषि उपज मंडी समिति मुरैना में धान की बोली (नीलामी) का शुभारंभ किया गया है।

मंडी सचिव पंजाव सिंह ने बताया कि शुक्रवार कोकृषक कपिल पुत्र रामू निवासी मुंगावली द्वारा अपनी धान 1509 का विक्रय नीलामी दर 2381 रूपये एवं कृषक भागचंद यादव पुत्र भोगीराम यादव निवासी मुंगावली ने धान 1509 की नीलामी दर 2701 रूपये से पहली बोली से शुभारंभ किया। इस अवसर कृषकों एवं व्यापारियों को तिलक एवं माला पहनाकर स्वागत किया। मंडी भारसाधक अधिकारी एवं एसडीएम मुरैना भूपेन्द्र सिंह कुशवाह, मंडी सचिव पंजाब सिंह ददौरिया सहित कृषक एवं मंडी कर्मचारी उपस्थित थे।

लॉयंस क्लब इंटरनेशनल और प्रांतीय सेवा सप्ताह 02 से 08 अक्टूबर तक

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। पीएमजेएफ लायन सुनील अरोरा प्रान्तपाल 3233ई1 और हमारी रीजन चेयरपर्सन एमजेएफ लायन डॉ. ऋतु राठी के मार्गदर्शन में आयोजित किया जा रहा है। जिसमें रीजन 16 माधव के सभी लॉयंस क्लब भाग ले रहे हैं। प्रत्येक दिन के सेवा सप्ताह के सुचारू रूप से क्रियान्वयन की जिम्मेदारी अलग-अलग क्लबों को सौंपी गई है। गुरुवार 03 अक्टूबर को हमारे लॉयंस क्लब मुरैना, लॉयंस क्लब अम्बाह और लॉयंस क्लब कैलारस को जिम्मेदार दी थी। जिसमें वृद्धजनों का सम्मान समारोह शामिल था। इसलिए रीजन 16, माधव के 11 लॉयंस क्लब के साथ हमने सभी क्लबों के अध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष सहित सभी पदाधिकारी और सदस्य साथियों के सहयोग से कार्यक्रम का आयोजन किया। तीनों क्लबों के अध्यक्ष लॉयन अल्पना गुप्ता, लॉयन सुरजीत सिंह मावई, लॉयन संदीप शर्मा सहित मुख्य अतिथि एमजीएफ लॉयन डॉ. रितु राठी, रीजन चेयरपर्सन और विशिष्ट अतिथि इंजी. लॉयन नीता बांदिल जोन चेयरपर्सन, लॉयन डॉ. पं. जेपी शर्मा एडिशनल डिस्ट्रिक्ट कैबिनेट ट्रेजरार एमजेएफ लायन कैलाश मित्तल रीजन कोऑर्डिनेटर जीएलटी, लॉयन रीजन एडवाइजर लॉयन डॉ. बीएल राजपूत, लॉयन राजेश बांदिल रीजन को-ऑर्डिनेटर सर्विस वीक और एमजेएफ लायन तुलसीदास अग्रवाल क्लब सर्विस कोऑर्डिनेटर सभी मंचासीन अतिथियों की उपस्थिति में वृद्धाश्रम मुरैना में निवासरत् महिला और पुरुष वृद्धिजनों का माला, शॉल से सम्मानित किया गया और उन्हें आवश्यक वस्त्र व धार्मिक पुस्तक भी प्रदान की गई। रीजन 16 माधव के सभी 11 लॉयंस क्लब के अध्यक्ष, सचिव और रीजन के सभी पदाधिकारी ने सर्वसम्मति से लॉयनवाद की सेवा में 48 साल से निरंतर सेवा देने वाले सर्व प्रिया लॉयन पं. जेपी शर्मा का वरिष्ठतम सदस्य के रूप में सपत्नी लॉयन प्रेम कुमारी का शॉल, श्रीफल से सम्मान किया और उनकी लंबी उम्र की शुभकामनाएं प्रेषित की गईं। सर्वप्रथम मंचासीन पदाधिकारी ने माँ दुर्गा जी का पूजन और आरती की गई। उसके पश्चात् लॉयंस क्लब मुरैना के सचिव ने सभी का स्वागत-सत्कार करते हुए अपने उद्बोधन में व्यक्त किया के हमें अपने परिवार में ऐसे संस्कार देने हैं कि जिससे समाज वृद्ध आश्रम खुले ही नहीं। उसके पश्चात् रीजन कोऑर्डिनेटर सर्विस वीक लायन इंजी. राजेश बांदिल ने कार्यक्रम की रूपरेखा बताते हुए अपने उद्बोधन ने व्यक्त कि वृद्धजनों की सेवा ईश्वर की सेवा समझकर करना चाहिए। उसके पश्चात लॉयन इंजी. जोन चेयरपर्सन नीता बांदिल ने अपने उद्बोधन में व्यक्त किया कि हमें बुजुर्गों के साथ वैसा ही व्यवहार करना चाहिए। जैसा कि हम अपनी वृद्धावस्था में अपने प्रति अपेक्षा रखते हैं। इस अवसर पर एमजेएफ लॉयन डॉ. रितु राठी ने अपने उद्बोधन में व्यक्त किया कि जैसा की पूर्व वक्ताओं ने जो भावना व्यक्त की है उसका मैं समर्थन करती हूं। अपने बच्चों को वैसे ही संस्कार देना चाहिए और नर सेवा ही नारायण सेवा है की भावना से हमें अपने बुजुर्गों का सम्मान करना चाहिए और अपने माता-पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए पूर्ण सम्मान देना चाहिए। रीजन माधव के सभी 11 अध्यक्षों और मंचासीन पदाधिकारी ने वृद्धाश्रम में निवासरत वृद्धजनों को का सम्मान किया।

मंचासीन महानुभावों के अतिरिक्त रीजन 16 माधव लॉयंस क्लब के अध्यक्ष लॉयन किरण गुप्ता, लॉयन निधि गुप्ता, सचिव संजीव वर्मा, लॉयन नितेश गुप्ता कोषाध्यक्ष लॉयन प्रेम कुमारी शर्मा, सुनीता बांदिल, रीजन सेक्रेटरी लॉयन शालू गोयल, लॉयन चंद्रप्रभा, और अन्य क्लबों के कोषाध्यक्ष सचिव एवं पदाधिकारी और वृद्ध आश्रम के संचालक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 18वीं किश्त का वितरण आज

जिला स्तरीय कार्यक्रम मंडी प्रांगण मुरैना में होगा

मुरैना। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस माह की 05 तारीख को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 18वीं किश्त वितरण महाराष्ट्र राज्य से करेंगे। संपूर्ण आयोजन पीएम किसान उत्सव दिवस के रूप में मनाया जाएगा। इस अवसर पर प्रदेश के कृषि मंत्री ऐदल सिंह कंषाना विशेष रूप से मौजूद रहेंगे। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत वर्ष में कुल 06 हजार रूपये तीन समान किश्तों में प्रदान किये जाते हैं। जिला, ब्लॉक स्तर पर बड़ी स्क्रीन के माध्यम से कार्यक्रम का प्रसारण किया जायेगा। जिला स्तरीय कार्यक्रम मंडी प्रांगण मुरैना में आयोजित किया जायेगा।

सिविल लाइन पुलिस ने दबोचे 11 जुआरी, दो लाख से अधिक की नगदी बरामद, 3 कार जप्त

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। पुलिस अधीक्षक समीर सौरभ (भापुसे) द्वारा जिले में जुआरियों, सट्टेरियों के विरूद्ध कार्यवाही करने हेतु संपूर्ण मुरैना जिले में विशेष अभियान संचालित कराया जाकर जिले के समस्त थाना प्रभारियों एवं राजपत्रित अधिकारियों को प्रभावी कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। उक्त अभियान के तारतम्य में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. अरविन्द सिंह ठाकुर के निर्देशन एवं प्रभारी नगर पुलिस अधीक्षक मुरैना रवि सोनेर के मार्गदर्शन में कार्य. निरी. दर्शन शुक्ला, थाना प्रभारी सिविल लाइन द्वारा मुरैना गांव में दाऊ जी मंदिर के पीछे जुआ खेलते हुए 11 आरोपियों को गिरफ्तार कर आरोपियों के कब्जे से 2,12,200/- रूपये की नगदी, 03 ताश की गड्डी एवं 03 कार जप्त की गई।

दिनांक 03-04.10.2024 की दरमियानी रात्रि को कार्य. निरी. दर्शन शुक्ला थाना प्रभारी सिविल लाइन को जरिए मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि मुरैना गांव में दाऊजी मंदिर के पीछे अंधेरे का लाभ उठाकर बड़े स्तर पर जुआ चल रहा है, मुखबिर की उक्त सूचना की तस्दीक हेतु थाना प्रभारी सिविल लाइन द्वारा उनि प्रीति जादौन के नेतृत्व में एक पुलिस टीम मुरैना गांव के लिए रवाना की गई। पुलिस टीम द्वारा मुखबिर की सूचना के आधार पर मुरैना गांव दाऊजी मंदिर के पीछे पहुचंकर हार-जीत का दाव लगाकर जुआ खेलते हुए 11 आरोपीगण को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 03 ताश की गड्डी, 2,12,200 /- रुपये नगदी व जुआरियों की 03 कार जप्त की गई। आरोपीगण का उक्त कृत्य धारा 13 जुआ एक्ट के तहत दंडनीय होने से आरोपीगण के विरूद्ध प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

जौरा पुलिस ने दबोचे तीन जुआरी, नगदी बरामद

मुरैना/जौरा। स्थानीय पुलिस द्वारा तीन जुआरी को जुआ खेलते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया। एसडीओपी नितिन बघेल, थाना प्रभारी उदयभान सिंह यादव के निर्देशन में सिटी बीट प्रभारी मुकेश सिंह राजावत उप सहायक उपनिरीक्षक एवं गुलाब सिंह, रामेंद्र सिंह, मुकेश सिंह, नकुल सिंह, अरुण शर्मा, विक्रम सिंह आदि पुलिस कर्मियों की टीम ने मुखबिर की सूचना पर से छापामार कार्रवाई करते हुए तीन जुआरी को जुआ खेलते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया। रूनीपुर रोड स्थित जीडी स्कूल के सामने जुआ खेल रहे श्यामू राजपूत पुत्र राधेलाल, आशिक पुत्र नसरुद्दीन, इरशाद पुत्र लोहरे खान जुआ खेल रहे थे। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जुआरियों को पकड़कर उनसे 40000 कीमत के तीन मोबाइल, ताश की गड्डी एवं 3270 पर नगद बरामद कर तीनों जुआरियों के विरुद्ध जुआ एक्ट के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया है।

निगम के सफाई दरोगा के साथ मारपीट

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। नगर पालिक निगम के सफाई दरोगा जयकुमार धौलकर ने ओमकार सिंह उर्फ मरिया पर मारपीट का आरोप लगाते हुए पुलिस को कार्यवाही के लिए आवेदन दिया है। एक जानकारी में श्री धौलकर ने बताया कि वह निगम सफाई दरोगा के पद पर कार्यरत् है। आज वह वार्ड क्र. 47 महाराजपुर में जेसीबी के माध्यम से नाले की सफाई करवा रहा था उसी समय ओमकार सिंह का फोन आया कि मुझे मृत्यु प्रमाण पत्र के दस्तावेजों पर हस्ताक्षर कराने हैं। तब मैंने कहा कि मैं नाले की सफाई करा रहा हूँ, यहीं पर आ जाओ। बाद में ओमकार मेरे यहां आया, लेकिन जब मैंने देखा कि उसके कागजात पूरे नहीं हैं तो मैंने हस्ताक्षर करने से मना कर दिया। मेरे मना करते ही ओमकार ने मुझे जातिसूचक गालियां दीं व मेरे साथ मारपीट कर दी तथा जबरन हस्ताक्षर करा लिए। जब मैं इस बात की शिकायत करने थाने पहुंचा तो सिविल लाइन थाने के स्टाफ द्वारा मेरी शिकायत दर्ज न करते हुए केवल आवेदन लेकर मुझे वहां से चले जाने के लिए कहा। श्री धौलकर ने पुलिस अधीक्षक से मांग की है कि आरोपी के विरुद्ध आवश्यक कार्यवाही की जाए।

कल्पना महिला मोर्चा सदस्यता अभियान की प्रभारी नियुक्त

मुरैना। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णु दत्त शर्मा द्वारा सदस्यता अभियान-2024 के लिए महिला जिला प्रभारियों की नियुक्ति की गई है, जिसमें कल्पना प्रताप सेंगर को मुरैना जिले के लिए महिला मोर्चा सदस्यता अभियान की प्रभारी नियुक्त किया गया है। प्रदेश महामंत्री भगवानदास सबनानी ने इसकी घोषणा की। कल्पना सेंगर ने अपनी नियुक्ति पर भाजपा नेतृत्व का आभार व्यक्त किया है और कहा है कि वह सदस्यता अभियान की सफलता के लिए हर संभव प्रयास करेंगी।

समाजसेवी साधुराम मुदगल का निधन, अनेक लोगों ने शोक जताया

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज

मुरैना। समाजसेवी भोलाराम मुदगल व सोनेराम मुदगल (पप्पी) के ताऊ व रामदास मुदगल, लालाराम मुदगल के चाचा साधुराम मुदगल का गत दिवस स्वर्गवास हो गया। स्व. श्री मुदगल अपने पीछे भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनका अंतिम संस्कार बड़ोखर स्थित मुक्तिधाम में शाम को किया गया। उनकी अंतिम यात्रा उनके निज निवास बेयर हाउस के पीछे महावीरपुरा से प्रारंभ हुई, जो नगर के विभिन्न मार्गों से होती हुई मुक्तिधाम पहुंची। जहाँ उनका अंतिम संस्कार किया गया। उनके निधन की खबर जैसे ही शुभचिंतकों को लगी तो वे उनके निवास पर एकत्रित हो गए। सभी ने मृतात्मा के प्रति अपनी शोक संवेदनायें प्रकट कीं।

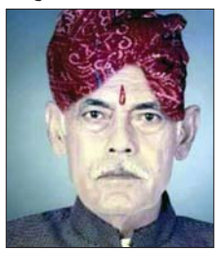

भूसा चारे के टेण्डर को लेकर युवा भाजपा नेता ने दिया ज्ञापन

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। युवा भाजपा नेता लकी डण्डौतिया ने टेकरी गौशाला का लंबित भूसा टेण्डर खोले जाने की मांग को लेकर निगम आयुक्त को ज्ञापन दिया। सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया है कि देवरी गौशाला में भूसा चारे का टेण्डर कुछ लोगों द्वारा लंबित कराया जा रहा है। एक खास ठेकेदार को लाभ पहुंचाने के चक्कर में ऐसा सबकुछ हो रहा है। हमारी मांग है कि भूसा चारे का टेण्डर शीघ्र खोला जाए। देवरी गौशाला के नोडल अधिकारी से प्रभार बदला जाए तथा भूसा चारा सप्लाई की रेटों की जाँच की जाए।

भाविप शाखा का सांस्कृतिक सप्ताह का शुभारंभ

बच्चों को फल, मिठाई, जूस, चिप्स के पैकेट बांटकर किया प्रारंभ

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। भारत विकास परिषद शाखा मुरैना द्वारा सांस्कृतिक सप्ताह का आयोजन 03 अक्टूबर से शुरू किया गया है। जिसके अंतर्गत बड़ोखर वाली माता पर बच्चों को लीची जूस, चॉकलेट, चिप्स एवं उनके पहनने के लिए कपड़े वितरित किए गए। इस अवसर पर भारत विकास परिषद शाखा मुरैना अध्यक्ष श्रीमती श्वेता माहेश्वरी, सचिव श्रीमति अर्चना शर्मा, कोषाध्यक्ष श्रीमती शुभा कोठारी, श्रीमती अंजू त्रिवेदी, राधिका माहेश्वरी, श्वेता मितेश माहेश्वरी, अर्पिता गोयल, अंजू गुप्ता, नेहा बियानी, हेमा बांदिल, शिल्पी मोदानी, निशा तिवारी मौजूद रहे।

इमलिया गांव में निकला अजगर, वन विभाग की टीम में किया रेस्क्यू, पगारा के जंगल में छोड़ा

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/जौरा। क्षेत्र में लगातार भारी बारिश नदी नालों में पानी भरने से ग्रामीण क्षेत्र में अजगर निकालने का सिलसिला जारी है। 24 सितंबर को ककरधा गांव में अजगर निकालने के बाद पास के ही इमलिया गांव में लगभग 10 फुट का अजगर निकलने से ग्रामीणों में दहशत फैल गई। वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू कर अजगर को पकड़ा गया। 04 अक्टूबर को इमलिया गांव के हर में ग्रामीणों को अचानक लगभग 10 फुट का एक अजगर नजर आया जिस पर से उन्होंने तत्काल जोरा वन विभाग की रेंजर प्रणय श्रीवास्तव को सूचना दी गई। श्रीवास्तव ने तत्काल डिप्टी रेंजर विनोद उपाध्याय, देवकीनंदन, सोनू शर्मा, सुनील त्यागी, सरनाम सिंह आदि वन विभाग की टीम को इमलिया गांव भेजा गया। गांव पहुंचकर वन विभाग की टीम ने लगभग 1 घंटे की मेहनत के बाद अजगर को पकड़ कर पगारा के जंगलों में छोड़ा गया। डिप्टी रेंजर विनोद उपाध्याय का कहना है कि क्षेत्र में हुई अधिक बरसात के चलते नदी नालों में अजगर, मगरमच्छ, सर्प निकल रहे हैं। अजगर पकड़कर सुरक्षित पगारा के जंगलों में छोड़ दिया है।

वनिता जाग्रति मंच ने की देवी आराधना, अनेक लोग रहे मौजूद

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। 'भारती की सारथी माँ तू ही अवलंब है' पंक्तियों के माध्यम से माँ आदिशक्ति की आरती उतारकर वनिता जागृति मंच 'मन से मन तक' ने आदिशक्ति की आराधना का प्रथम दिवस मनाया। इस अवसर पर मंच की संचालक महिमा जैन सुधी ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत में संस्थापक वरिष्ठ साहित्यकार भारती जैन दिव्यांशी ने समूह के सभी सदस्यों को नवरात्र महोत्सव की शुभकामनाएं दीं, साथ ही माँ आदिशक्ति के चरणों में स्वरचित कवित्त महागौरी मातु ज्वाला, जपें नाम की ही माला, भारती की सारथी माँ तू ही अवलंब है के माध्यम से नमन निवेदित किया। इसी प्रकार समूह के सभी सदस्यों ने गांधी जयंती और नवरात्रि के उपलक्ष्य पर अपने-अपने भाव व विचार पंक्तियों के माध्यम से, भजन गाकर प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में समूह की सचिव रमा गोलश, कोषाध्यक्ष मनीषा भारद्वाज, प्रेरणा गुप्ता, किरण जैन, भारती गुप्ता, रीना जैन, मीरा गुप्ता, आरती जैन, दीप्ति श्रीवास्तव, राधा राजौरिया, संस्थापक भारती जैन दिव्यांशी और संचालक महिमा जैन सुधी उपस्थित रहीं। समूह के सभी उपस्थित सदस्यों ने विभिन्न गरबा और डांडिया के लोकगीतों पर अपनी नृत्य प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के समापन पर किरण जैन के द्वारा सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया गया।

संस्कृति और विरासत को सम्मान
तरक्की बनी हमारी पहचान

अमर बलिदानी रानी दुर्गावती को शत-शत नमन

वीरांगना रानी दुर्गावती के 500 वें जन्म जयंती वर्ष पर

उनकी राजधानी सिंग्रामपुर में नारी सशक्तिकरण और सम्मान को समर्पित

मंत्रिपरिषद बैठक का आयोजन

एवं

मुख्यमंत्री, डॉ. मोहन यादव

द्वारा

1.29 करोड़ लाड़ली बहनों को ₹1574 करोड़

55 लाख से अधिक हितग्राहियों को ₹ 332.71 करोड़ की सामाजिक सुरक्षा पेंशन

24 लाख से अधिक बहनों को ₹ 450 में गैस रीफिल योजना के ₹ 28 करोड़ का अंतरण

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

5 अक्टूबर, 2024 । पूर्वाह्न 11:00 बजे । सिंग्रामपुर, जिला दमोह, मध्यप्रदेश

जनजातीय विकास के लिए प्रतिबद्ध प्रयास

- पीएम जन-मन योजना में विशेष पिछड़ी जनजाति बहुल जिलों में शासकीय योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ सुनिश्चित करते हुए ₹7300 करोड़ से आंगनवाड़ी केंद्र, छात्रावास, सड़क, पुल और आवास आदि का निर्माण
- बैगा, सहरिया और भारिया जनजाति की बटालियन बनाने के लिए शौर्य संकल्प योजना
- नेवी, आर्मी, एयरफोर्स, सी.आर.पी.एफ., सी.आई.एस.एफ., आई.टी.बी.पी., बी.एस.एफ. आदि में भर्ती हेतु प्रशिक्षण
- आकांक्षा योजना में जे.ई.ई., क्लैट, नीट जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए कोचिंग
- पी.एस.सी., सिविल सेवा, बैंक, एस.एस.सी. आदि के लिए परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण
- प्रत्येक वर्ष 50 अभ्यर्थियों को विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति का लक्ष्य
- विशेष पिछड़ी जनजातीय जिलों में कौशल विकास केंद्र
- जनजातीय ग्राम सभाओं को सशक्त बनाने के लिए पेसा नियम लागू, एक करोड़ से अधिक नागरिक लाभान्वित
- भगवान बिरसा मुंडा स्व-रोज़गार, टंट्या भील आर्थिक कल्याण योजना, विशेष वित्त पोषण परियोजना द्वारा स्व-रोज़गार ऋण
- 63 एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय, 82 आवासीय कन्या शिक्षा परिसर एवं बालकों हेतु 8 आदर्श आवासीय विद्यालय संचालित
- तेंदूपत्ता संग्रहण पारिश्रमिक ₹3 हजार से बढ़कर हुआ ₹4 हजार
- प्रधानमंत्री आदि आदर्श ग्राम योजना में चयनित 7307 गांवों में बुनियादी सुविधाओं का निर्माण
- विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा, सहरिया और भारिया परिवारों की 2.14 लाख से अधिक महिला हितग्राहियों को पोषण आहार के लिए प्रतिमाह ₹1500 का आहार अनुदान
- सभी जनजातीय विकासखंडों में 'सिकल सेल उन्मूलन मिशन' लागू
- 'मुख्यमंत्री राशन आपके ग्राम' योजना में जनजातीय गांवों में सीधा पहुंच रहा राशन
- पारंपरिक जनजातीय शिल्पकलाओं को आजीविका से जोड़ने के लिए चयनित जनजातीय कला/उत्पादों की जी.आई. टैगिंग, गोंड पेंटिंग को जी.आई. टैग प्राप्त
- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा ₹170 करोड़ की लागत से खरगोन में क्रांतिसूर्य टंट्या भील विश्वविद्यालय का शिलान्यास
- सागर में रानी अवंतीबाई लोधी विश्वविद्यालय की स्थापना का निर्णय
- नई शिक्षा नीति में वीरांगना रानी दुर्गावती और रानी अवंतीबाई लोधी की वीरगाथा को पाठ्यक्रम में सम्मिलित करने का निर्णय
- छिंदवाड़ा विश्वविद्यालय को राजा शंकर शाह विश्वविद्यालय के रूप में मिली पहचान

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2024

सीधा प्रसारण Webcast.gov.in/mp/cmevents @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP #Singrampur_MP मध्यप्रदेश शासन

स्वामित्वधिकारी प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे के लिए मै. अंजली पब्लिकेशन एबी रोड़ मथुरा से मुद्रित, एवं ए-44-फस्ट फ्लोर, अशोका इन्क्लेव, पार्ट-2 सेक्टर- 37 फरीदाबाद हरियाणा (NCR) से प्रकाशित,
आरएनआई नं. एचएआरएचआईएन /2009/ 28496 संपादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे। मो. 9958434103 सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद न्यायालय होगा।